जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 104 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 5 नवम्बर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'हमें मजबूरन जे.पी.सी. छोड़नी पड़ सकती है'

वक्फ बिल का परीक्षण कर रही जे.पी.सी. के विपक्षी सदस्यों ने स्पीकर ओम बिड़ला को चिट्ठी लिखी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवीक्षा (स्क्रूटिनी) कर रही संसदीय समिति में एक प्रकार के संकट की स्थिति बनती जा रही है क्योंकि विपक्षी सांसद इस कमेटी से अलग होने की योजना बना रहे हैं। दरअसल, विपक्षी सांसदों का कहना है कि इस कमेटी के चेयरपर्सन जगदम्बिका पाल कथित रूप से एकपक्षीय निर्णय ले रहे हैं तथा उन्हें तैयार होने के लिए समुचित समय दिये बिना ही, सम्बन्धित प्रक्रियाओं/कार्यवाहियों को "बुलडोज़" करने की कोशिशें की जा रही हैं।

ऐसी सम्भावना है कि संसदीय कमेटी में शामिल विपक्षी सांसद मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भेंट कर सकते हैं।

इस बात पर जोर देते हुए, कि कमेटी की कार्यवाहियों के दौरान उनके काम में बाधा डाली जा रही है, विपक्षी सांसदों ने बिड़ला को एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि उन्हें इस कमेटी से अलग होने के लिए बाध्य किया जा सकता है। इन सांसदों ने इस पत्र को पहले आपस में सर्कुलेट भी किया है।

- विपक्षी सदस्यों का आरोप है कि, जे.पी.सी. प्रमुख, भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल एकतरफा फैसले कर रहे हैं। विपक्षी सदस्य मंगलवार को स्पीकर ओम बिड़ला से मिलकर उन्हें शिकायती पत्र सौंपेंगे।
- विपक्षी सदस्यों का आरोप है कि बैठक की कार्यवाही की तारीख तय करने और गवाहों को बुलाने में जे.पी.सी. प्रमुख मनमानी कर रहे हैं तथा अक्सर एक के बाद एक लगातार तीन दिन तक कमेटी की मीटिंग बुला लेते है।
- विपक्ष का आरोप है कि पाल की कोशिश है कि वक्फ बिल, सरकार जैसा चाहती है, उसी रूप में जे.पी.सी. से स्वीकृत हो जाए, इसलिए विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं दिया जा रहा है।
- ज्ञातव्य है कि, कभी यूपी में कांग्रेस के कद्दावर नेता रह चुके जगदम्बिका पाल 2014 में भाजपा में आए थे तब से वे हर बार लोकसभा चुनाव जीते हैं, पर अभी तक भी उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है।

विपक्ष के सूत्रों ने कहा कि विपक्षी सांसद मंगलवार को बिड़ला से मिलकर, उनके सम्मुख अपनी शिकायतें रख सकते हैं।

विपक्षी सदस्यों, जिनमें अन्य सांसदों के अलावा, द्रमुक के ए.राजा, कांग्रेस के मुहम्मद जावेद तथा इमरान मसूद, ए.आई.एम.आई.एम. के असदुद्दीन ओवैसी, आप के संजय सिंह तथा टी.एम.सी. के कल्याण बनर्जी भी शामिल हैं, ने लोकसभा अध्यक्ष को एक संयुक्त पत्र लिखा है।

उन्होंने जगदम्बिका पॉल, जो धीर-गम्भीर भाजपा सांसद हैं, पर आरोप लगाया है कि वे कमेटी की बैठकों की तिथियाँ तय करने में "इकतरफा निर्णय" ले रहेहैं तथा ये तिथियाँ तीन लगातार दिनों की दे दी जाती हैं। इसके साथ ही इस विषय में भी इकतरफा निर्णय लिये जाते हैं कि साक्षी के रूप में किन्हें बुलाया जाना है।

उन्होंने कहा कि सांसदों के लिए यह व्यवहारिक रूप से सम्भव नहीं है कि वे तैयारी के बिना चर्चा कर सकें।

इस बात पर जोर देते हुए, कि इस विधेयक का परीक्षण कर रही संसद की संयुक्त समिति "मिनी संसद" की तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पटाखों पर सतत प्रतिबंध क्यों नहीं'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने एक एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट पर स्वत: संज्ञान लिया। रिपोर्ट में लिखा था कि सुप्रीम कोर्ट के प्रतिबंध के बाद भी दीपावली पर पटाखों से होने वाला प्रदूषण सर्वाधिक था। कोर्ट ने कहा कि 2022 व 2023 की तुलना में इस बार पटाखों का प्रदूषण काफी अधिक है।

- इस वर्ष दीपावली पर गत दो वर्षों की तुलना में पटाखों से होने वाला प्रदूषण बहुत अधिक होने की रिपोर्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया और दिल्ली सरकार व दिल्ली पुलिस कमिश्नर से जवाब मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार व दिल्ली के पुलिस कमिश्नर से जवाब मांगा है। बैंच ने पूछा दीपावली 2024 के दौरान क्या हुआ। बैंच ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर शपथ पत्र दायर करे अगली सुनवाई 14 नवम्बर को होगी। कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध के बारे में सवाल किया।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पटाखों के निर्माण, बिक्री, भंडारण व ऑनलाइन डिलीवरी और पटाखे जलाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पुल टूटने पर दायर याचिका स्वीकार की

जब याचिका चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड के सामने आई तो उन्होंने कहा, मैं इसकी गहराई में जाऊंगा

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को निर्णय लिया कि हाल ही के महीनों में बिहार में कई पुलों के गिर जाने को लेकर दायर की गई जनहित याचिका पर विचार किया जाएगा।

इस जनहित याचिका में मांग की गई है कि पुलों की संरचनात्मक ऑडिट तथा विशेषज्ञों का एक ऐसा पैनल गठित करने के निर्देश दिये जायें, जो ऐसे पुलों को चिन्हित करे, जिनकी मरम्मत करने या ढहा दिये जाने की जरूरत है।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा मनोज मिश्रा की बैंच ने सोमवार को इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किये जाने का निर्णय लिया।

यह याचिका सिवान, सारण, मधुबनी, अरेरिया, पूर्वी चम्पारन तथा किशनगंज जैसे जिलों में गिरे उन 10 पुलों के गिर जाने की प्रतिक्रिया में दायर की गई है, जो मई, जून तथा जुलाई के मानसूनी मौसम में हुई भारी बरसात में गिर गये थे।

- सुप्रीम कोर्ट ने इस पर बिहार सरकार, नैशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा राज्य सरकार के कई विभागों व अफसरों को नोटिस भेजा है।
- न्यायिक हस्तक्षेप से स्पष्ट है कि राज्य में पुलों के टूटने को लेकर सुप्रीम कोर्ट चिंतित है।
- यह याचिका हाल ही, मई, जून और जुलाई में सिवान, सारन, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चम्पारण और किशनगंज में गिरे पुलों के सम्बंध में दायर की गई है।

जब याचिकाकर्ता के वकील ब्रजेशसिंह ने यह याचिका सुनवाई के लिए प्रस्तुत की, तो मुख्य न्यायाधीश ने बोले, "मैं इसकी गहराई में जाऊंगा।" अदालत की इस प्रतिक्रिया से पूर्व इस बात का सत्यापन किया गया कि इस याचिका के बारे में किये गये आवश्यक पत्राचार सर्वोच्च न्यायालय के कार्यालय में समुचित रूप से भेजे गए अथवा नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार सरकार, नैशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एन.एच.ए.आई.) तथा राज्य के विभिन्न विभागों को नोटिस जारी कर दिये, जिनमें सड़क-निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिहार राज्य पुल निर्माण लिमिटेड, तथा रूरल वर्क्स डिपार्टमेंट के अतिरिक्त मुख्य सचिव शामिल हैं।

इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप राज्य में पुलों की सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिन्ताओं को रेखांकित कर रहा है, जो भारी वर्षा एवं बाढ़ से प्राय: प्रभावित होती है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 की मौत

दीपावली के अवकाश के कारण बस में क्षमता से अधिक यात्री बैठे थे

अल्मोड़ा/नैनीताल, 04 नवंबर। उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में सोमवार सुबह-सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 36 लोगों की मृत्यु हो गयी तथा 24 अन्य घायल हो गये। मृतकों में से अधिकांश लोग दीपावली मना कर अपने गंतव्य को लौट रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गढ़वाल मोटर्स ऑनर्स यूनियन लि0 की बस पौड़ी जिले के गौलेखाल से 60 यात्रियों को लेकर निकली, अल्मोड़ा जिले के सल्ट तहसील के मरचूला में कूपी के पास सारड बैंड में अनियंत्रित हो कर गहरी खाई में जा गिरी।

दीपावली अवकाश के कारण बस खचाखच भरी हुई थी। बस में क्षमता से कई गुना अधिक, 60 सवारियां भरी हुई थीं। पांच लोग किसी तरह बस से दूर छिटक गये, उन्हें मामूली चोटें आयीं। बाकी 36 लोगों की मौत हो गयी। इनमें से 28 की मौके पर ही मौत हो गयी थी।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही, एस.डी.आर.एफ. की तीन टीम और सल्ट, रानीखेत की पुलिस टीमों को मौके पर भेजा गया। तब तक ग्रामीण भी मौके पर पहुंच चुके थे।

- बस के 5 यात्री किसी तरह छिटक कर बाहर गिरे। उनको मामूली चोट आईं। अट्ठाइस लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गईं तथा 8 ने रामनगर अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा।

कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) देवेन्द्र पिंचा और सल्ट के उप जिलाधिकारी कोहली ने मौके पर पहुँचकर राहत व बचाव कार्य शुरू करवाया।

दो दर्जन घायलों में से 15 को रामनगर अस्पताल भिजवाया गया, जबकि चार को एयर लिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश और हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल भेजा गया।

रामनगर अस्पताल में उपचार के दौरान आठ घायलों ने दम तोड़ दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गंभीर घायलों को तत्काल एयर लिफ्ट कर एम्स और अन्य अस्पतालों में भेजने के निर्देश दिये। इसके लिये एयर एम्बुलेंस भी उपलब्ध करायी गयी। साथ ही एम्स के चिकित्सकों की एक टीम को ऋषिकेश से घायलों के उपचार के लिये रामनगर चिकित्सालय भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने लापरवाही के आरोप में अल्मोड़ा और पौड़ी के सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिये।

दुर्घटना की जांच के आदेश कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत को दे दिये हैं। इसके अलावा, मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये सहायता देने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एकल पट्टा प्रकरण में धारीवाल को राहत देने के आदेश को रद्द करने की गुहार

जयपुर, 4 नवंबर। प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में नया शपथ पत्र पेश कर यू-टर्न लिया है। अशोक पाठक की स्पैशल लीव पिटिशन (एस.एल.पी.) में पेश इस नए शपथ पत्र में कहा गया है कि मामले की सुनवाई के बीच हाईकोर्ट ने तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन वापस लेने की अनुमति और तत्कालीन यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल के खिलाफ मामला रद्द कर दिया था। हालांकि, पूर्व में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि एकल पट्टा प्रकरण में कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है।

- सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में राज्य सरकार की ओर से नया शपथ पत्र पेश हुआ। पूर्व में राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि एकल पट्टा प्रकरण में कोई अपराधिक मामला नहीं बनता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र चुनावों के लिए रोचक रणनीति बनाई राज ठाकरे ने

राज ठाकरे की कोशिश उद्धव ठाकरे की शिवसेना को नुकसान पहुंचाना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से पूर्व राज ठाकरे की राजनीतिक रणनीतियों पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है। निरंतर कम होते वोटर बेस के मद्देनजर, ठाकरे द्वारा लिए गए निर्णय स्वयं उनकी पार्टी तथा शिवसेना, दोनों के चुनावी परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। उनकी राजनीतिक शतरंज की बाजी के बारे में बात करते हैं।

ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एम.एन.एस.) ने मुंबई सहित महाराष्ट्र में 137 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए हैं। तथापि, एम.एन.एस. ने मुंबई की 36 विधानसभा सीटों में से 10 सीटों पर प्रत्याशी खड़े नहीं किए हैं। इस बात को लेकर ये चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि, सत्तारूढ़ महायुति को इन सीटों पर जिताने के मकसद से इन पर प्रत्याशी नहीं खड़े करने का यह सोचा समझा निर्णय है। गत सप्ताह राज ठाकरे ने कहा था, उन्हें विश्वास है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार, 20 नवम्बर को महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता में वापस आएगी। एम.एन.एस. ने भाजपा के साथ किसी गठबंधन की घोषणा नहीं की है, फिर भी कदाचित् ठाकरे, इन चुनावों में भगवा पार्टी के साथ सैद्धांतिक वफादारी की बात कर रहे हैं।

- राज ठाकरे ने मुम्बई की 36 में से 25 सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े किए हैं, जो सीधे उद्धव के प्रत्याशियों को नुकसान पहुंचाएंगे, पर ठाकरे ने दस सीटों पर कोई प्रत्याशी नहीं उतारा है, क्योंकि यहां पर भाजपा का महायुति गठबंधन जीत रहा है।
- हालांकि, राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का भाजपा से गठबंधन नहीं है, पर उन्होंने 137 सीटों पर ऐसे प्रत्याशी खड़े किए हैं, जो महाराष्ट्र विकास अघाड़ी को नुकसान पहुंचा रहे हैं।
- राज ठाकरे का जनाधार लगातार खिसक रहा है, उनकी कोशिश है कि किसी भी प्रकार से वे अपना राजनैतिक रूतबा कायम रख पाएं, पर इस चुनाव में उनकी जो रणनीति है वह उन्हें बना सकती है तो मिटा भी सकती है।

विधानसभा चुनाव 2024 राज ठाकरे के राजनीतिक करियर को बना देंगे या खत्म कर देंगे, क्योंकि, सन् 2009 से एम.एन.एस. के चुनावी सितारे लगातार गर्दिश में जा रहे हैं। सन् 2009 में एम.एन.एस. ने तेरह विधानसभा सीटें जीती थीं। उसके बाद से एम.एन.एस. का वोट शेयर 5.75 प्रतिशत से गिरकर सन् 2019 में 2.25 प्रतिशत रह गया। इस वर्ष एम.एन.एस. का केवल एक प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में जीता था।

नामांकन के आखिरी दिन, सोमवार को बागियों द्वारा नाम वापस लेने से अब महायुति व महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के बीच संघर्ष का मंच तैयार हो गया है।

महाराष्ट्र में सभी प्रमुख राजनीतिक दल विद्रोह का सामना कर रही हैं, क्योंकि जिन पार्टी कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं दिए गए हैं उन्होंने नेतृत्व का विरोध करते हुए 20 नवंबर के विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन भरे हैं, जो सत्तारूढ़ महायुति तथा विपक्षी ब्लॉक, महाराष्ट्र विकास अघाड़ी दोनों के लिए एक सिरदर्द बन गया है। भ्रम के माहौल का एक कारण यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पोस्टमार्टम में गंभीर चोटों को टाइगर की मौत का कारण माना

बौंली -बामनवास, 4 नवंबर। सवाई माधोपुर के रणथंभौर टाइगर नेशनल पार्क के पास रविवार को उलियाणा गांव के खेत पर मृत पाए गए टाइगर टी -86 की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गंभीर चोटों को माना गया है।

जयपुर से आई पशु चिकित्सकों की मेडिकल टीम ने बाघ टी - 86 का पोस्टमार्टम किया। उसके बाद टाइगर का ससम्मान अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस दौरान सामने आया कि अज्ञात लोगों ने सामूहिक रूप से बाघ पर ताबड़तोड़ हमले करके उसे मौत के घाट उतार दिया। मृत टाइगर की रीढ़ की हड्डी, मुंह एवं चारों पैरों पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। मौत से पहले ही बाघ की जीभ बाहर लटक गई थी। मृत बाघ

- टाइगर की रीढ़ की हड्डी, मुंह और चारों पैरों पर गम्भीर चोट के निशान मिले।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु और कर्नाटक के बाद केरल पहुंचा भाषा विवाद

केरल में विवाद को हवा दी केन्द्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। भाषा मुद्दे पर तमिलनाडु और कर्नाटक में चल रहे विवाद की आग में घी डालते हुए एक केन्द्रीय मंत्री ने केरल में भी इस आग को हवा दे दी है।

उक्त केन्द्रीय मंत्री ने एक सवाल का जवाब केरल के राज्यसभा सांसद को हिंदी में भेजा। उक्त राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटस ने खाद्य संस्करण एवं रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के पत्र का जवाब मलयालम भाषा में भेजा। इस प्रकार उन्होंने भाषाई मुद्दे पर अपना पक्ष रखा लेकिन केन्द्रीय मंत्री का जवाब संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है, साथ ही ऐसे ही मसले पर 2021 में आए मद्रास हाई कोर्ट के फैसले का भी उल्लंघन है। केन्द्र सरकार गैर हिंदी भाषी राज्यों के साथ संवाद के लिए आज़ादी के बाद से ही जिस नियम का पालन कर रही है, मंत्री ने उसकी भी अनदेखी की है।

मंत्री के इस रुख से दक्षिण भारतीय राज्यों में यह संदेह और बढ़ गया है कि उन पर हिंदी लादी जा रही है। हिंदी भाषा में लिखा पत्र मिलने के बाद राज्यसभा सांसद ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें जानबूझ कर हिंदी भाषा में पत्र भेजा गया है और वे मंत्री को अपनी भाषा में जवाब देंगे ताकि भाषा मुद्दे पर अपना पक्ष रख सके।

ब्रिटस ने कहा कि वे अकेले नहीं है जिन्हें ऐसा महसूस हुआ है, क्योंकि दक्षिण भारत के कई अन्य सांसदों के साथ भी ऐसा ही हुआ उन्हें भी हिंदी भाषा में पत्र भेजा गया जो न उन्हें आती है और न ही वे उसके साथ सहज हैं।

ऐसा लगता है कि केन्द्रीय मंत्री को पता ही नहीं है कि गैर हिंदी भाषी राज्यों के साथ संवाद में भिन्न परम्पराओं का पालन किया जाता है। आमतौर पर इन राज्यों के साथ अंग्रेजी में पत्र व्यवहार किया जाता है।

अब केरल के मंत्री पी. राजीव ने ऑफिशियल लैंगवेज पर संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख किया।

उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर सिखा कि, संविधान के अनुसार हमारी कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है। हमारी सिर्फ सरकारी भाषाएं हैं हिंदी और अंग्रेजी। और केन्द्र सरकार गैर हिंदी भाषा राज्यों की सरकार के बीच संवाद सिर्फ अंग्रेजी में ही होना चाहिए। यह अगर हम हमारी भाषा में कोई विधेयक ला रहे हैं तो राज्यपाल को उसका अनुवाद प्रस्तुत करेंगे ताकि वे उसे पढ़कर अपनी अनुमति दे सकें। सभी राज्यों पर हिंदी थोपना असंवैधानिक है।

ऐसे ही मामले में मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बैंच ने 2021 में केन्द्र सरकार को ऑफिशियल लैंगवेज एक्ट के प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया था व कहा था कि तमिलनाडु सरकार

- रवनीत सिंह ने केरल के एक राज्यसभा सदस्य, जॉन ब्रिट्स के अंग्रेजी में भेजे पत्र का जवाब हिंदी में दिया, अब राज्यसभा सांसद जॉन मलयालम भाषा में जवाब देंगे।
- रवनीत सिंह पर आरोप है कि उन्होंने ऑफिशियल लैंग्वेज एक्ट 1963 के प्रावधानों व मद्रास हाईकोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन किया है, जिसके तहत गैर हिंदी भाषी राज्यों से अंग्रेजों भाषा में पत्र व्यवहार करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया है।
- जॉन ने आरोप लगाया, ऐसा लगता है केन्द्र सरकार हम पर हिंदी थोप रही है, सिर्फ मुझे ही नहीं कई अन्य नेताओं को भी ऐसा ही लगता है क्योंकि हमें हिंदी भाषा में जवाब दिया जाता है, जो हम समझते ही नहीं हैं।
- केरल के मंत्री पी. राजीव ने एक्स पर लिखा कि संविधान में कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है, सरकारी भाषा के रूप में हिंदी और अंग्रेजी का उल्लेख है और आजादी के बाद यही परम्परा है कि केन्द्र सरकार गैर हिंदी भाषी राज्यों से अंग्रेजी में पत्र व्यवहार करती रही है।
- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडू के एक मंत्री की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि केन्द्र सरकार की ड्यूटी है कि राज्य सरकार को अंग्रेजी भाषा में ही जवाब दे।

सैनी ने अदालत को बताया कि नीट यू.जी. की स्ट्रे काउन्सलिंग में हर बार पहले एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए अभ्यर्थी को मेडिकल कॉलेज आवंटित किया जाता था और उसके बाद उसके दस्तावेज सत्यापित किए जाते थे। लेकिन, इस बार स्ट्रे राउंड में कॉलेज आवंटन से पहले दस्तावेज सत्यापित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मेडिकल कॉलेज आवंटन पर जवाब मांगा

जयपुर, 4 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यू.जी. स्ट्रे काउन्सलिंग में मेडिकल कॉलेज आवंटन से जुड़े मामले में प्रमुख मेडिकल शिक्षा सचिव सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश आदर्श धाकड़ व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप

- राजस्थान हाईकोर्ट ने आदर्श धाकड़ व अन्य की याचिका पर प्रारम्भिक सुनवाई के आदेश दिये।

विचार बिन्दु

जहाँ चक्रवर्ती सम्राट की तलवार कुंठित हो जाती है, वहाँ महापुरुष का एक मधुर वचन ही काम कर देता है। –हरिऔध

भारत के सर्वाधिक चर्चित मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी. वाई. चंद्रचूड़

भारत के 50 वें मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर डी वाई चंद्रचूड 10 नवंबर 2024 को अपने पद से सेवानिवृत होंगे। उनके पद भार ग्रहण करने पर मैंने इसी स्तंभ में एक संपादकीय लिखा था जो 15 नवंबर 2024 को प्रकाशित हुआ। उनसे देश को क्या अपेक्षाएं हैं, इसका का विस्तार से उल्लेख इस संपादकीय में किया गया था। यह आशा की गई थी कि वह देश के नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा करने वाले एक निर्भीक और निष्पक्ष न्यायाधीश के रूप में अपना नाम इतिहास में अंकित कराएंगे।

अब जब वह सेवा निवृत हो रहे हैं, तो यह उपयुक्त अवसर है जब उनके कार्यकाल का एक निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाए और यह समझने का प्रयास किया जाए कि वे उनसे की गई अपेक्षाओं पर कितने खरे उतर पाए हैं।

उनके दो वर्ष के इस कार्यकाल से, यह तो निर्विवाद रूप से सिद्ध हो गया है कि डॉक्टर चंद्रचूड न केवल एक निष्णात विधि वेत्ता हैं, अपितु एक बहुत प्रतिभाशाली, प्रभावी वक्ता भी हैं जो खुलकर अपनी बात हर मंच पर रखते हैं। संभवतया जो मीडिया कवरेज डॉ चंद्रचूड को मिला, वैसा किसी अन्य मुख्य न्यायाधीश को नहीं मिला। सामान्यतया सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपने निर्णयों के माध्यम से ही जाने जाते हैं एवं सार्वजनिक समारोहों से दूर ही रहना पसंद करते हैं। डॉ चंद्रचूड ने न्यायाधीशों की इस छवि को तोडा। वे कई शनिवार, रविवार और सर्वोच्च न्यायालय के अवकाश के दौरान किसी किसी न किसी श्रोता समूह को संबोधित करते दिखाई दिए। उन्होंने देश-विदेश की प्रमुख संस्थाओं, वकीलों के सम्मेलनों, विश्विद्यालयों के समारोहों में निसंकोच भाग लिया और अपना उद्बोधन दिया। उनके उद्बोधनों को मीडिया ने भी पूरा स्थान दिया। उनके लिए, नागरिक की स्वतंत्रता और संविधान प्रदत्त अन्य अधिकारों की रक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

उन्होंने न्यायालयों के संचालन में आधुनिकतम तकनीक को लागू करने का प्रयास किया, जिसके लिए देश उन्हें सदैव याद रखेगा। वीडियो सुनवाई को उन्होंने प्रोत्साहित किया जिसके कारण वकीलों के भौतिक रूप से अनुपस्थित होने के बावजूद सुनवाई हो पाई। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के बारे में भी उन्होंने पहल की और इसी कारण इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई।

मीडिया में अधिक बने रहने की इच्छा के कारण ही संभव है, उनकी छवि पर विपरीत प्रभाव भी पडा। उदाहरण के लिए, जब प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश के घर पर गणेश वंदना हेतु पहुंच गए और उनके द्वारा की गई आरती का मीडिया पर प्रसारण किया गया, तो उनका यह कृत्य काफी चर्चित और विवादास्पद हो गया क्योंकि अब तक किसी मुख्य न्यायाधीश ने ऐसा नहीं किया था। इससे प्रधानमंत्री से उनकी निकटता जग जाहिर हुई। इस अनावश्यक विवाद से बचा जा सकता था।

जहां तक डॉक्टर चन्द्रचूड के निर्णयों का प्रश्न है, इनमें से कुछ निर्णय ऐसे थे, जिसमें उन्होंने सरकार की नाराज़गी की परवाह नहीं की और उसके विरुद्ध निर्णय दिए। चंडीगढ मेयर के चुनाव के प्रकरण में उन्होंने सारे मतपत्रों को स्वयं अपने स्तर पर मंगवा कर उनकी गणना कराई। इसके आधार घोषित परिणाम को निरस्त करते हुए आम आदमी आपकी पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया। हालंकि चुनाव अधिकारी अनिल मसीह के विरुद्ध कोई कडी कार्रवाई नहीं की गई, जबकि ऐसा किया जाना चाहिए था। इलेक्टोरल बॉन्ड प्रकरण योजना को असंवैधानिक घोषित करते हुए उसे निरस्त कर दिया। इससे सत्ताधारी दल की स्थिति अटपटी हुई। इससे सरकार के निर्णय पर प्रश्न चिन्ह लगे। किस प्रकार जिन उद्योगपतियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे, उन्हें कैसे लाभ पहुंचाया गया, इस बारे में कोई जांच पडताल करना सुप्रीम कोर्ट में उपयुक्त नहीं समझा।

हिंडेनबर्ग रिपोर्ट में अडानी ग्रुप द्वारा की गई अनियमितताओं से संबंधित प्रकरण सर्वोच्च न्यायालय में गया किंतु उसने सेबी की रिपोर्ट को सही मानते हुए उसे क्लीन चिट दे दी और कोई कार्यवाही नहीं की। यह जन धारणा के विपरीत था, क्योंकि यह मीडिया द्वारा लगभग सिद्ध कर दिया गया था कि अदानी ने अपनी शैल कंपनियों के माध्यम से अपने धन को मनी लांड्रिंग के माध्यम से निवेश किया और अपने शेयरों के दाम कृत्रिम रूप से बढा दिए। इस प्रकरण को भी सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच पाए और इस कारण यह धारणा अवश्य बनी कि कथनी और करने में अंतर तो उनमें भी था।

कुल मिलाकर, हम मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर चंद्रचूड़ के कार्यकाल को दो तरह से याद रखेंगे, एक, उनके द्वारा दिए गए साहसिक निर्णयों के कारण एवं दूसरा, उनके द्वारा दिए अनावश्यक बयानों से उत्पन्न विवादों के कारण। उन्होंने स्वयं ने कहा था कि वे यह नहीं जानते कि उन्हें भविष्य, किस प्रकार के मुख्य न्यायाधीश के रूप में याद रखेगा?

सामान्यतया, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति सार्वजनिक चर्चा का विषय नहीं बनती। डॉक्टर चंद्रचूड इसके अपवाद थे, क्योंकि इनके कई बयानों ने आम नागरिक के मन में यह आशा जगाई थी कि अब उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, अधिक प्रभावी रूप से हो पाएगी। उसे यह भी लगने लगा था कि कार्यपालिका की ज्यादतियों के विरुद्ध अब उसे सुरक्षा कवच, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के माध्यम से प्राप्त हो गया है। इसी प्रकार की अपेक्षाएं और आशाएं मीडिया के लगभग हर वर्ग में विस्तार से व्यक्त की गई थीं।

यह उल्लेखनीय है कि बहुत कम मुख्य न्यायाधीशों का कार्यकाल 2 वर्ष का रहा है। केवल डॉ चंद्रचूड के पिता वाई वी चंद्रचूड, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं, जिनका उनका कार्यकाल 7 वर्ष से अधिक समय तक रहा। इसी प्रकार, एक और मुख्य न्यायाधीश, कपाड़िया का कार्यकाल भी 2 वर्ष से कुछ अधिक था। काफी लंबे समय बाद मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल दो साल रहा है।

हालांकि डॉक्टर डी वाई चंद्रचूड ने न्यायिक प्रक्रिया में कई सुधार के बहुत प्रयास किए। कुछ निर्णय भी ऐसे थे, जिनसे अपेक्षा और बढ गई थी।

उनके द्वारा सार्वजनिक वक्तव्य दिया जाना कि अयोध्या प्रकरण में जब उन्हें कोई निर्णय नहीं सूझ रहा था तो उन्होंने ईश्वर को याद किया और उसके जो निर्देश प्राप्त हुए, उसी अनुसार उन्होंने इसका निर्णय किया। किसी भी न्यायाधीश से अपेक्षा यह की जाती है कि वह केवल संविधान और कानून के अनुसार ही किसी प्रकरण का निर्णय करेंगे। यदि इसमें ईश्वर ने निर्णय पर पहुंचने में सहायता भी की थी, तो इसका सार्वजनिक प्रकटीकरण होना उचित नहीं था। लोगों का तो यहां तक कहना है कि, यदि कोई अल्पसंख्यक वर्ग का मुख्य न्यायाधीश होता, तो क्या वह खुदा के आदेश अनुसार निर्णय करता? यदि ऐसा करता तो फिर क्या स्थिति होती, इसकी केवल कल्पना ही की जा सकती है।

मुख्य न्यायाधीश द्वारा न्यायालय परिसर में न्याय की देवी के स्थान पर दूसरी मूर्ति स्थापित करना विवाद का विषय बना। उन्होंने न्याय की देवी की आंखों पर बंधी काली पट्टी हटाकर, साड़ी के परिधान में, नई मूर्ति स्थापित कराई, जिसे उनके द्वारा न्याय के खुलेपन का प्रतीक बताया गया। वास्तविकता में न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी बांधने का अर्थ यह है कि निर्णय करते समय केवल कानून के अनुसार न्याय किया जाता है न कि किसी पक्षकार के किसी राजनीतिक दल से संबंधित होने ,गरीब अथवा अमीर होने, या किसी जाति धर्म के आधार पर। इसीलिए कानून को अंधा कहा जाता है। अब पट्टी हटाने से यह संदेश दिया जा रहा है कि न्याय भी पक्षकारों की पृष्ठभूमि एवं उनके स्टेटस को देखकर किया जाएगा? सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने इसका औपचारिक रूप से विरोध करते हुए संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया है।

कुछ ऐसे प्रकरण भी आए जिसमें, राज्यपाल द्वारा महायुति की सरकार को बनाने की प्रक्रिया को गलत बताने के बावजूद भी उसे बने रहने दिया गया। राज्यपाल के इस असंवैधानिक कृत्य के बावजूद उनके विरुद्ध कोई टिप्पणियां नहीं की गई। इसी प्रकार, धारा 370 का प्रकरण बहुत समय हेतु नहीं लिया गया एवं इस कारण इसका इस पर सुनवाई लगभग अर्थहीन हो चुकी थी।

एक ओर जहां डॉक्टर चंद्रचूड व्यक्तिगत स्वतंत्रता की पुरजोर तरीके से वकालत करते रहे, वहीं उनके द्वारा लंबे समय तक विचाराधीन प्रकरणों में, जमानत पर सुनवाई नहीं करने की बात आसानी से गले नहीं उतरती। इसी दौरान, सामाजिक कार्यकर्ता 84 वर्षीय स्टेन स्वामी की जेल में ही मृत्यु हो गई। उमर खालिद को की जमानत पर लगभग 4 वर्ष पश्चात भी कोई निर्णय नहीं हो पाया। लंबे समय तक बिना ट्रायल के राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में रखा गया जिसके कारण उन्हें कई प्रकार के कष्ट भोगने पडे। बिना ट्रायल के सामाजिक कार्यकर्ताओं को सरकारी एजेंसियों की सहायता से लंबे समय तक जेल में रखने की प्रवृत्ति की कारण कार्यपालिका पर प्रभावी अंकुश लगाने में डॉ चंद्रचूड सफल नहीं हो पाए।

वे 10 नवंबर को अपना पद छोड़ देंगे। उसके बाद, उनके द्वारा क्या कोई पद स्वीकार किया जाएगा अथवा नहीं इस पर सभी लोगों की नजर रहेगी। यदि उन्होंने सरकार के माध्यम से कोई नियुक्ति स्वीकार की, तो फिर उनके द्वारा कुछ दिए गए कुछ निर्णय को निश्चित रूप से संदेह की दृष्टि से देखा जाएगा। सामान्य नागरिक को इसकी संभावना कम ही लगती है क्योंकि वह स्वयं कुछ वर्षों के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' की बात करते रहे हैं।

कुल मिलाकर, हम मुख्य न्यायाधीश डॉक्टर चंद्रचूड के कार्यकाल को दो तरह से याद रखेंगे, एक, उनके द्वारा दिए गए साहसिक निर्णयों के कारण एवं दूसरा, उनके द्वारा दिए अनावश्यक बयानों से उत्पन्न विवादों के कारण। उन्होंने स्वयं ने कहा था कि वे यह नहीं जानते कि उन्हें भविष्य, किस प्रकार के मुख्य न्यायाधीश के रूप में याद रखेगा? डॉक्टर चंद्रचूड की न्यायिक विद्वता का लाभ न्यायपालिका और देश को मिलता रहे, इसकी कामना सदैव रहेगी। डॉ. चंद्रचूड को, सेवानिवृत्ति के अवसर पर देशवासियों की शुभकामनाएं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

सीकर : एक दशक में "जल संकट" से "जल प्रबंधन" तक

प्रेरणादायी है जल संकट से जूझते सीकर के जल प्रबंधन की यात्रा

विनोद पाठक

प्रसिद्ध डाटा वैज्ञानिक हान्ना राइट अपनी किताब नॉट द एंड ऑफ द वर्ल्ड में लिखती हैं कि यह मुमकिन है कि हम कयामत के कगार पर पहुंच गए हों, लेकिन यह भी सच है कि हम मजबूत बुनियाद पर फिर से कदम रखना शुरू कर रहे हों। वैश्विक डाटा के संदर्भ में उनकी रिसर्च बताती है कि पानी संकट को लेकर उम्मीद अभी बाकी है।

हान्ना राइट कहती हैं कि पर्यावरण से जुड़े डाटा के अनुसार पिछले करीब 10 वर्षों में सतर्कता संग आशा संकेत मिल रहे हैं। ये जरूरी नहीं है कि हम अपने लक्ष्य तक पहुंच गए हों, लेकिन लगता है कि ऐसा करने के लिए हमारे पास पर्याप्त अवसर हैं। हान्ना के बयान के संदर्भ में देखें तो भारत में पिछले दस सालों में ऐसी कई छोटी-बड़ी पहल की गई है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आए हैं। सीकर का उदाहरण हम सबके सामने हैं। कभी बूंद-बूंद पानी को तरसते सीकर ने जल प्रबंधन का एक नायाब मॉडल पूरी दुनिया के सामने रखा है।

सीकर के किसान, युवा, महिलाएं समेत बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखते ही बनती हैं। पानी की कमी के चलते कभी हरियाली खेतों से रूठ चुकी थी, लेकिन अब खेत न केवल लहलहा रहे हैं, बल्कि किसानों के चेहरे की मुस्कान भी लौट आई है। राजपुरा के 70 वर्षीय किसान सुवाराम से बेहतर भला कौन 'समय' के फेर को बता सकता है। सुवाराम तब और अब के फर्क को बखूबी समझते और जानते हैं। साल 1955 में जब वो इस क्षेत्र में रहने आए थे तो पानी की किल्लत थी, लेकिन आज चेक डैम्स की वजह से 20 किलोमीटर के दायरे में लहलहाती फसलें दिखती हैं। ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं जिनकी जिंदगी चेक डैम्स की वजह से बदल चुकी है।

इस बदलाव का श्रेय आनंदना-कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन और सोशल एक्शन फॉर रुरल एडवांसमेंट (सारा) के सक्रिय सहयोग को जाता है, जिनकी वजह से शुरू चेक डैम्स सीकर में बदलाव के वाहक बने हैं। चेक डैम्स ने जल उपलब्धता और प्रबंधन में क्रांति ला दी है। ये संरचनाएं भले ही साधारण दिखाई देती हैं, लेकिन इनमें मानसून के पानी को रोकने के लिए उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। इनकी खासियत है कि ये धीरे-धीरे पूरे वर्ष भूजल को पुनर्भरित करती हैं, जिसके चलते जो कुएं पहले सूख चुके थे, अब उनमें पूरे साल पानी रहता है। क्षेत्र के जल स्तर में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। चेक डैम्स ने जल सुरक्षा की नींव पर सुदृढ़ अर्थतंत्र का नया अध्याय लिखा है। जहां एक समय किसान अपने सूखे हुए खेतों को देख हर समय चिंतित रहते थे, आज वे आत्मविश्वास से अपनी विविध फसलों को उपजा रहे हैं। किसानों की आय में 80 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। कृषि में विकास केवल दोगुना नहीं सौ गुना तक बढ़ा है। आंगनबाड़ी में काम कर रही 40 वर्षीय बजरी देवी की जिंदगी तो चेक डैम्स की वजह से बिल्कुल ही बदल गई है। अब उन्हें पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। घर में लगे नल से पानी मिल जाता है। जल उपलब्धता ने स्थानीय निवासियों की जिंदगी के प्रत्येक पहलु को प्रभावित किया है। बच्चे अब नियमित स्कूल जा रहे हैं तो युवाओं का पलायन भी रुका है। युवा अब स्थानीय क्षेत्रों में ही रोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। स्थानीय बाजारों की रौनक लौट आयी है। जल संसाधनों की कमी के कारण असंभव माने जाने वाले छोटे उद्योग अब उभरने लगे हैं, जो एक अधिक विविध और स्थायी स्थानीय अर्थव्यवस्था बना रहे हैं। यही नहीं नवाचार ने सीकर में जड़े जमा ली हैं। किसान पॉलीहाउस, सौर ऊर्जा से संचालित सिंचाई प्रणाली और ड्रिप सिंचाई जैसी आधुनिक तकनीक आसानी से सीकर में दिखती है।

चेक डैम्स की वजह से ज्यों-ज्यों भूजल स्तर बढ़ा है, स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे फ्लोराइड संदूषण में कमी आई है। यही नहीं मिट्टी की उर्वरता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग में कमी आई है। स्थानीय तापमान में भी कमी आई है। सीकर में किसान जहां पहले मुश्किल से एकाध फसल उगा पाते थे, वहां वे अब चंदन के पेड़, आम और नींबू लगा रहे हैं। यह सफलता कहानी नीति निर्माताओं को महत्वपूर्ण सीख देती है। यह दिखाती है कि सतत जल प्रबंधन केवल एक पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं है, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का उत्प्रेरक है।

सीकर मॉडल यह दिखाता है कि उचित निवेश परिवर्तन का वाहक बन सकता है। स्थानीय स्तर पर बड़े बदलाव का सबब बन सकता है। यह सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित करता है और पानी को एक वस्तु के बजाय समुदाय विकास के जीवनस्त्रोत के रूप में देखने की आवश्यकता पर जोर देता है। जैसे-जैसे हम भविष्य की ओर देखते हैं, सीकर के चेक डैम्स संभावनाओं के ज्वार को बढ़ाते हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि पर्यावरणीय चुनौतियों के बावजूद, नवाचारी समाधान, जो स्थिरता में निहित हैं, वे सफल हो सकते हैं। एक दशक पहले, सीकर पानी की कमी का अध्ययन था, आज, यह पुनर्जीवन की सफल कहानी सुनाता है।

समुदाय के जिन सदस्यों ने इस परिवर्तन को महसूस किया है, प्रत्यक्ष रूप से देखा है, उनके शब्दों में आभार और आशा के गहरे संदेश छिपे हैं। स्थानीय लोग जब इस पहल को जारी रखने की गुजारिश करते हैं तो वे केवल अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत अन्य क्षेत्रों के लिए बोलते हैं जो इसी तरह के परिवर्तन की लालसा रखते हैं। सीकर की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन इसके परिवर्तन का पहला दशक एक सकारात्मक प्रस्तावना लिख चुका है-जो आने वाले समय में और अधिक लोगों की जिंदगी में सफल बदलावों का पर्याय बनेगा।

–विनोद पाठक,
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अजमेर रेंज के परिवादियों की वीडियो कॉलिंग के माध्यम से ई-सुनवाई होगी

दूर-दराज के परिवादी व बुजुर्ग महिला परिवादियों की वीडियो कॉलिंग के माध्यम से ई-सुनवाई की जाएगी

अजमेर, (कासं)। अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने सोमवार को एक नई पहल की शुरूआत की है। इस नई पहल के तहत दूर-दराज से परिवादी व बुजुर्ग महिलाए यहां कार्यालय में आने में सक्षम नहीं है, उन परिवादियों की वीडियो कॉलिंग के माध्यम से ई-सुनवाई की जाएगी और परिवादियों को राहत प्रदान की जाएगी। यह जानकारी सोमवार को अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने पत्रकार वार्ता में दी।

पत्रकारों से वार्ता करते हुए डीआईजी ओमप्रकाश ने बताया कि यह ई-सुनवाई का कार्यकम प्रत्येक माह के प्रथम व अंतिम शुकवार को होगा और रेंज के लोगों को इसका अधिक से अधिक से लाभ मिले इसके बारे में व्यापक प्रचार -प्रसार किया जाएगा। महीने में दो दिन ई-सुनवाई की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। सोमवार को अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश और एडिशनल एसपी विजय सांखला के द्वारा नंबर जारी किया गया। सुनवाई के लिए रेंज कार्यालय से व्हाट्सएप नंबर 8764853020 नंबर जारी किया गया है। इस नंबर पर रेंज के जो भी परिवादी है वह अपनी शिकायत भेज सकेंगे। इसके बाद रेंज कार्यालय का अधिकारी उस परिवादी से उसके इच्छित स्थान और समय को देखते हुए वीडियो कॉलिंग के माध्यम से जोड़ा जाएगा। जिसमें संबंधित थाना अधिकारी और सीओ को भी शामिल होंगे। परिवादियों को दूर दराज से कार्यालय पर नहीं आना पड़े इसे लेकर उन्हें राहत देने के लिए यह सुविधा जारी की गई है।

अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने प्रेसवार्ता की।

- **अजमेर रेंज के डीआईजी ओमप्रकाश ने नई पहल की शुरूआत की, माह में दो बार होगी सुनवाई**

डीआईजी ने बताया कि कुछ समय में कई परिवर्दियों के शिकायत पर सुनवाई नहीं होने की शिकायत भी मिली थी, जिसको ध्यान में रखते हुए रेंज के 7 थाना अधिकारियों को नोटिस भी जारी किए गए। साथ ही बेहतर काम करने वाले थाना अधिकारियों को प्रोत्साहित पत्र भी दिया गया है।

पाकिस्तान से भारतीय सीमा में एक बार फिर गुब्बारा पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसकर जासूसी करने के लिए एक बार फिर गुब्बारा भारतीय सीमा में पहुंचा। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी लेकिन विलंब से पुलिस पहुंची, उससे पहले ही गुब्बारा वापस उड़कर पाकिस्तान की सीमा में चला गया। अब इस गुब्बारा में किसी तरह की मशीनरी लगी थी या नहीं? इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी।

जानकारी के अनुसार भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर ये गुब्बारा सोमवार सुबह देखा गया।

उर्दू में पाक लिखा गुब्बारा पाकिस्तान की और से आसमान में उड़कर आया था। खिलोने रुपी इस गुब्बारे के ऊपर इंग्लिश में कुछ लिखा था और कुछ उर्दू में भी लिखा था। खाजूवाला उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत 17 केवाईडी के चक 20 केवाईडी में भलजी जाट के खेत में 2 घंटे तक गुब्बारा अटका रहा। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने 17 केवाईडी सरपंच प्रतिनिधि ने सुरेंद्र सींवर को अवगत करवाया। सींवर ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। सींवर का कहना है कि पुलिस का इंतजार करते रहें किसी ने गुब्बारे को हाथ नहीं लगाया। पुलिस को सूचना देने के एक घंटे बाद पुलिस पहुंची। तब तक गुब्बारा वापस उड़ गया और पाकिस्तानी सीमा में पहुंच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि किसी ने भी गुब्बारे के हाथ नहीं लगाया। हवा का तेज झोंका आने से वह गुब्बारा फिर आसमान की तरफ उड़ा और पाकिस्तान पहुंच गया। खाजूवाला थानाधिकारी बलवंत कुमार का कहना है कि हमें सूचना मिली थी। एक टीम को मौके के लिए तुरंत रवाना किया गया।

- **स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी लेकिन विलंब से पुलिस पहुंची**
- **उससे पहले ही गुब्बारा वापस उड़कर पाकिस्तान की सीमा में चला गया**

"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की प्रगति" की थीम पर गतिविधियां हुई

अजमेर, (कासं)। अजमेर मण्डल पर मनाये जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के अंतर्गत "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की प्रगति" की थीम पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। इसी कड़ी मे सोमवार को मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय अजमेर के सभा कक्ष में सतर्कता जागरूकता पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता ने रेलवे में सतर्कता विभाग की भूमिका एवं उनकी कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रकाश डाला एवं मण्डल पर पूर्ण सत्यनिष्ठा से कार्य करने का आव्हान किया।

मुख्यालय से आई सतर्कता विभाग की टीम में मुख्य सतर्कता अधिकारी, एस एण्ड एम मनोज कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी, ई एण्ड एस टी ए अंसारी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, कार्मिक सुरेन्द्र सिंह बारहट, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी इंजी सत्यनारायण यादव, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी/लेखा अरविन्द कुमार द्वारा प्रजेन्टेशन के माध्यम से केस स्टडी प्रस्तुत की गई। सेमिनार में उपस्थित अधिकारियों ने अपने अपने विभागों की कार्य प्रणाली में सतर्कता व पारदर्शिता संबंधित सवाल जवाब किए और सुझाव भी दिए। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबंधक आलोक अग्रवाल, अपर मण्डल रेल प्रबंधक बलदेव राम, वरि मण्डल कार्मिक अधिकारी रघुवीर सिंह चारण सहित मण्डल के अन्य अधिकारी एवं प्रभावी पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

राशिफल मंगलवार 5 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र प्रात: 9:45 तक, अतिगंड योग दिन 11:27 तक, वणिज करण दिन 11:51 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 9:45 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

रवियोग प्रात: 9:45 तक है। कुमार योग रात्रि 12:17 से आरम्भ होगा। आज भद्रा दिन 11:15 से रात्रि 12:17 तक है। आज अंगारक विनायक चतुरथी, दुर्वा गणपति व्रत है। आज से डाला छठ पर्व तीन दिन का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:27 से 10:49 तक, लाभ-अमृत 10:49 से 1:32 तक, शुभ 2:54 से 4:16 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:43, सूर्यास्त 5:37

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक कार्यों में संयम रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

पूर्व मंत्री गुरजंट सिंह बराड़ पंचतत्व में विलीन

श्रीगंगानगर,(कासं)। पूर्व मंत्री गुरजंट सिंह बराड़ का सोमवार को उनके पैतृक गांव पांच एलएनपी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार से पहले परिजनों ने अंतिम दर्शन किए। वहीं पुलिस प्रशासन ने उन्हें सलामी दी। इससे पहले गांव पांच एलएनपी स्थित उनके आवास पर रविवार देर रात अंतिम दर्शन के लिए शव रखा गया।

दोपहर करीब एक बजे उनकी अंतिम यात्रा घर से रवाना हुई। इसमें सैकड़ों की संख्या में सामाजिक, राजनीतिक लोग व बराड़ के समर्थक शामिल थे। दोपहर करीब दो बजे अंतिम संस्कार किया गया। बराड़ के पुत्र बलदेव सिंह बराड़, भूपेंद्र सिंह बराड़ व पोते विधायक गुरवीर बराड़ ने शव को मुखाग्नि दी। रविवार देर रात से ही बराड़ के गांव पांच एलएनपी स्थित आवास पर लोग पहुंचने लगे थे।

अंतिम यात्रा में पहुंचे प्रमुख लोगों में शिल्प एवं माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलादराय टाक, पूर्व विधायक अशोक नागपाल, धर्मेन्द्र मोची, पूर्व मंत्री सुरेंद्रपाल सिंह टीटी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री निहालचंद मेघवाल, पंजाब के पूर्व मंत्री सुरजीत ज्याणी, एएसपी रघुवीर शर्मा, डीएसपी राहुल यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

बराड़ दो बार संगरिया और एक बार सादुलशहर से विधायक रहे हैं। वे 1993 में पहली बार निर्दलीय विधायक चुने गए। इस वर्ष भाजपा बहुमत से कुछ दूरी पर थी। इस दौरान निर्दलीय विधायकों को महत्व मिला और गुरजंट सिंह बराड़ को मंत्री बनाया गया। उन्हें भैरोंसिंह शेखावत की भाजपा सरकार में सिंचाई मंत्री की जिम्मेदारी मिली।

'18 वर्ष के पात्र मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित नहीं रहें'

बीकानेर,(कासं)। संभागीय आयुक्त एवं मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की रोल पर्यवेक्षक वंदना सिंघवी ने सोमवार को एनआईसी कांफ्रेंस हॉल में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी राजनैतिक दलों द्वारा बूथ लेवल अभिवर्त्ताओं (बीएलए) की नियुक्ति करते हुए सूची उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और त्रुटिरहित मतदाता सूचियां तैयार करने के लिए निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) से लेकर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) तक अपना काम कर रहे हैं। इसमें बीएलए की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने पुनरीक्षण अभियान की विभिन्न तिथियों के बारे में बताया और कहा कि 1 जनवरी को 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाला कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित नहीं रहे, यह सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बीकानेर पूर्व और पश्चिम के ईआरओ को सभी बीएलओ की बैठक लेने और पुनरीक्षण अभियान से जुड़े कार्य पूर्ण गंभीरता से करने के लिए निर्देशित करने को कहा। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के श्यामसुंदर चौधरी, मोहम्मद रमजान अब्बासी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नितिन वत्सस, प्रहलाद सिंह मार्शल तथा आम आदमी पार्टी के संजय पाल मौजूद थे।

बैठक के बाद संभागीय आयुक्त ने बीकानेर पूर्व एवं पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया तथा बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान लोक प्रशिक्षण संस्थान, जैन पीजी कॉलेज, श्री जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा राजकीय भैरूदान करनाणी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ द्वारा किये गए हाउस टू हाउस सर्वे, भावी मतदाताओं के चिन्हीकरण, बीएलओ ऐप आदि के बारे में जाना। उन्होंने कहा कि जिन बीएलओ द्वारा अब तक संतोषजनक कार्य नहीं किया गया है। उन्हें गति लाने के लिए ताकीद किया जाए। इस दौरान एडीएम सिटी तथा ईआरओ बीकानेर पश्चिम रमेश देव, एसडीएम बीकानेर तथा ईआरओ बीकानेर पूर्व कविता गोदारा साथ रहे। संभागीय आयुक्त ने बताया कि मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 29 अक्टूबर से प्रारम्भ हुआ। छह जनवरी को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की अर्हता तिथि 1 जनवरी रखी गई है। मतदाताओं से 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जायेगी। 9 और 23 नवम्बर को मतदाता सूचियों के संबंधित भाग की प्रविष्टियों का ग्राम सभा के साथ बैठक कर पठन एवं सत्यापन किया जायेगा।

■ संभागीय आयुक्त एवं मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की रोल पर्यवेक्षक वंदना सिंघवी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली

बीकानेर संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने बीकानेर पूर्व एवं पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का अवलोकन किया।

पदोन्नति के लिए शिक्षा कर्मचारियों का धरना

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग के कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को शिक्षा निदेशालय के आगे धरना शुरू कर दिया। कर्मचारियों का आरोप है कि पदोन्नति सहित अनेक मुद्दों पर शिक्षा विभाग के अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं।

सोमवार शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष कमलनारायण आचार्य ने बताया कि मंत्रालयिक संवर्ग के अधिकारियों और कर्मचारियों की 2023-24 तक की रिव्यू एवं 2024-25 तक की नियमित डीपीसी कर काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थान नहीं देने के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है। धरना शाम चार बजे दिया गया। आचार्य ने बताया कि शासन एवं प्रशासन से मांग की गई है कि स्कूल शिक्षा विभाग में संस्थापन अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ सहायक एवं कनिष्ठ सहायक के पदों की 2023-24 तक की रिव्यू और 2024-25 की नियमित डीपीसी नहीं हुई है।

लोक सेवा आयोग से चयनित 1986 के कार्मिकों, पंचायत राज विभाग से आये कार्मिकों, दिव्यांगजनों के प्रकरणों को निस्तारित नहीं हुए हैं। आचार्य ने बताया कि मांगे मानने तक शिक्षा निदेशालय बीकानेर के समक्ष सुबह से शाम तक लगातार जारी रहेगा।

धरने को विभिन्न कर्मचारी नेताओं, संगठनों एवं कर्मचारियों के द्वारा समर्थन दिया। महेन्द्र कुमार पाण्डे महामंत्री राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ, किशोर पुरोहित आदि ने संबोधित किया।

सार-समाचार

बाघमार ने करणी मां के दर्शन किए

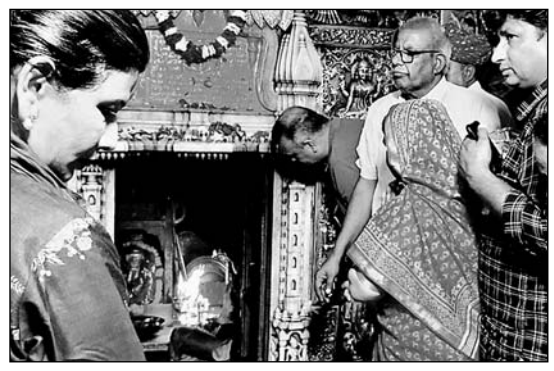

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने करणी माता मंदिर में दर्शन किए।

बीकानेर, (कासं)। महिला एवं बाल विकास तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार सोमवार को देशनोक पहुंची। उन्होंने यहां विश्व प्रसिद्ध करणी माता मंदिर में दर्शन किए और प्रदेश में खुशहाली की कामना की। मंदिर प्रन्यास की ओर से पीडब्लयूडी राज्य मंत्री डॉ. बाघमार का मां करणी की तस्वीर व साहित्य भेंटकर पारम्परिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रन्यास उपाध्यक्ष सीता दान, प्रन्यासी अशोक दान, नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष हनुमान दान सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। सार्वजनिक निर्माण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बाल अधिकारिता राज्य मंत्री मंजू बाघमार का आज बीकानेर आगमन पर भाजपा नेताओं ने सर्किट हाउस में स्वागत किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के निजी सहायक तेजाराम मेघवाल, भाजपा जिला मंत्री मनीष सोनी, प्रवक्ता अशोक प्रजापत, भाजयुमो महामंत्री पंकज अग्रवाल, विनोद धवन, गौरव जैन, मुकेश धौलपुरिया ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

साढू सुपर किंग्स ने मैच जीता

सूरतगढ़, (कासं)। माहेश्वरी समाज की ओर से नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट (एमपीएल-5) का देर शाम को प्राचीन गढ़ मैदान में आगाज किया गया। माहेश्वरी समाज के भंवरलाल लखोटिया और सुशील कोठारी ने पहली बॉल खेलकर मैच का शुभारंभ करवाया। इससे पहले मैदान पर सभी टीमों के खिलाड़ियों का अतिथियों से परिचय कराया गया। राष्ट्रगान और आतिशबाजी के साथ टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन मैच साढू सुपर किंग्स और कोठारी चैलेंजर के बीच खेला गया। जिसमें कोठारी चैलेंजर ने टॉस जीते हुए पहले बॉलिंग चुनी। ऐसे में मैदान में पहली पारी खेलने उतरी साढू सुपर किंग्स की टीम ने निर्धारित 9 ओवर में 2 विकेट खोकर 86 रन का बना डाले। इसके जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोठारी चैलेंजर की टीम 9 ओवर में 6 विकेट खोकर 72 रन ही बना सकी। साढू सुपर किंग्स 14 रन से विजयी रही। साढू सुपर किंग्स के खिलाड़ी अमित लखोटिया प्लेयर ऑफ द मैच रहे। जिन्होंने 32 बॉल की पारी में 1 चौके और 4 छक्कों की मदद से 43 रन बनाएं। दूसरी पारी में एक ऑवर कर 1 विकेट भी हासिल किया। टूर्नामेंट के उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाज के प्रबुद्धजन और महिलाएं क्रिकेट देखने पहुंचे। वहीं घर बैठे क्रिकेट प्रेमियों के लिए भी लाइव लिंक के जरिये प्रसारण उपलब्ध करवाया गया है। आयोजन समिति के कमल झंवर ने बताया कि लगातार पांचवे साल हो रहे इस टूर्नामेंट में समाज की 8 टीमें हिस्सा ले रही है। इनमे साढू सुपर किंग्स, एलजी सत्यम फाइटर, लाहोटी लायंस, कोठारी चैलेंजर्स, चांडक नाइट राइडर्स, बागड़ी पैंथर, एमडीसी स्टार, पेड़ीवाल फाइटर के बीच मुकाबले होंगे। सभी टीमों में 9-9 खिलाड़ियों को रखा गया है। पांच दिवसीय इस टूर्नामेंट में रोजाना तीन-तीन मैच करवाये जायेंगे। फाइनल मुकाबला 7 नवम्बर को होगा। टूर्नामेंट में पहले स्थान पर रहने वाली टीम को 31000 की राशि और ट्रॉफी, द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 21000 की राशि और ट्रॉफी तथा तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को भी 11000 की राशि और ट्रॉफी से सम्मानित किया जायेगा।

भाई से मिलकर आंसू छलके

नोखा, (कासं)। बिछड़े हुए का अपनों से मिलन के क्रम में एक और प्रभुजी का मिलन अपना घर आश्रम नोखा द्वारा एक भाई से भाई को मिलवाया। अपना घर आश्रम की अध्यक्ष किरण झंवर ने बताया कि अपनाघर आश्रम नोखा की ओर से अशोक मांझी प्रभुजी को 18 जुलाई 2023 को अपना घर आश्रम ऊमता में रेस्क्यू करके उपचार के लिए भर्ती किया गया। उसके बाद 8 अगस्त 2023 को अपना घर आश्रम नोखा में आने के बाद प्रभुजी की दवाई चलती रही। प्रभुजी के भाई चंद्र मोहन ने बताया कि हम 3 साल तक ढूंढते रहे। घर पर बोल कर गए थे कि मैं गुजरात काम करने के लिए जा रहा हूं। हमने तो आशा छोड़ दिया था कि इस दुनिया में है या नहीं। गजानंद लोहिया ने प्रभुजी द्वारा अपने घर का पता बताने पर उड़ीसा में श्यामसुंदर राठी को फोन पर सूचना देकर प्रभुजी के घर भेजा जहां उन्होंने अशोक के भाई को बताया कि आपका भाई नोखा अपना घर आश्रम में सेवा ले रहे हैं। सूचना पाकर भाई की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और खुशी के आंसू छलक पड़े। भाई ने अशोक से बात करने की इच्छा जताई। वीडियो कॉल से बात करवाई गई तो बोले कि हमारा भाई है। उसके बाद भाई ने बताया कि एक माह तक आप रखो। एक माह बाद हम नोखा आकर ले जायेंगे। दो नवम्बर आये और तीन नवम्बर को प्रभुजी अपने गांव पुरूलिया जिला भैलसवर उड़ीसा के लिए ट्रेन से रवाना किया।

उर्दू प्रोफेसर अवार्ड से सम्मानित

बीकानेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े राजकीय डूंगर महाविद्यालय बीकानेर की डॉ. फखरूनिशा बानो को राष्ट्रीय उर्दू शिक्षक कर्मचारी संघ (पंजीकृत) की ओर से ऐतिहासिक ग़ालिब एकेडमी, दिल्ली में 3 नवम्बर को आयोजित राष्ट्रीय अवार्ड सेरेमनी में उर्दू भाषा के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय उर्दू प्रोफेसर अवार्ड से सम्मानित किया गया। उनका ये अवार्ड उनके शौहर ख़ान, अब्दुल रहमान और उनके भांजे मोहम्मद नूर आलम ने दिल्ली में प्राप्त किया। राष्ट्रीय उर्दू शिक्षक कर्मचारी संघ की ओर से महाविद्यालय श्रेणी में राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार के लिए देशभर से आठ प्रोफेसर्स को चयनित किया गया है। जिसमें डॉ. बानो का भी चयन किया गया। यह सम्मान हर वर्ष भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा, साहित्य, शिक्षा एवं अध्यापन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है।

इस बार मूंगफली की आवक 20 प्रतिशत बढ़ने के आसार

बीकानेर, (कासं)। मूंगफली की फसल इस साल जिले के किसानों की तकदीर बदल सकती है। पिछले साल की तुलना में इस साल किसान करीब 20 प्रतिशत मूंगफली की ज्यादा आवक होने का अनुमान लगाये बैठे हैं।

पिछले साल जहां अनाज मंडी में करीब 80 लाख बोरी की आवक हुई थी। वहीं इस बार इसका आंकड़ा करीब एक करोड़ बोरी तक पहुंच सकता है। यह आंकड़ा अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। मूंगफली की आवक बढ़ने से किसानों के साथ-साथ मंडी के व्यापारियों की आय में भी इजाफा होगा। उन्हें ज्यादा आढ़त मिलेगी। कारोबारियों की मानें तो मूंगफली की ज्यादा आवक से एक्सपोर्ट आंकड़ों में भी इजाफा होगा।

मूंगफली एक्सपोर्ट कारोबारी अजय जैन ने बताया कि पिछले साल बीकानेर से करीब 30 हजार टन मूंगफली दाने का विदेशों में एक्सपोर्ट किया गया था। इस साल एक्सपोर्ट का आंकड़ा कुछ बढ़ सकता है। मूंगफली ने किसानों के साथ शहर की तकदीर भी बदली। मूंगफली की खेती ने बीकानेर के किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध करने के साथ ही उनकी जीवनशैली को पूरी तरह से बदलने का काम भी किया है।

इंदिरा गांधी नहर और ट्यूबवैल ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संसाधनों की बदौलत बीकानेर न केवल राजस्थान में, बल्कि पूरे देश में मूंगफली उत्पादन का प्रमुख केन्द्र बनने की ओर अग्रसर है। मूंगफली का उत्पादन न केवल स्थानीय बाजारों में, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी पहुंच रहा है।

मूंगफली के साथ-साथ सरसों, बाजरा और कपास जैसी फसलों का भी उत्पादन बढ़ा है, लेकिन मूंगफली ने विशेष रूप से आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। इस साल मूंगफली उत्पादन के आंकड़े देखें तो इसकी बिजाई 2 लाख, 72 हजार, 303 हेक्टेयर में हुई है। जबकि पिछले साल मौजूद बिजान से 20 प्रतिशत कम बिजाई हुई थी। पिछले तीन साल के बीकानेर मंडी में मूंगफली की आवक पर नजर डालें तो एक लाख किवंटल आवक थी। मंडी सचिव नवीन गोदारा ने बताया कि मूंगफली उत्पादन की दृष्टि से बीकानेर की अनाज मंडी राजस्थान में पहले नंबर पर है।

■ पिछले साल जहां अनाज मंडी में करीब 80 लाख बोरी की आवक हुई थी। इस बार इसका आंकड़ा करीब एक करोड़ बोरी तक पहुंच सकता है

वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो की मौत

श्रीगंगानगर,(कासं)। गांव मौजगढ़ निवासी बाइक सवार 2 लोगों की वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई।

थाना खुईयांसरवर पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। जानकारी के अनुसार गांव मौजगढ़ निवासी मदन लाल (40) अपने साथी मोहन लाल के साथ बाइक पर सवार होकर श्रीगंगानगर से अपने गांव की तरफ लौट रहे थे। जैसे वह गांव कलूरखेड़ा ओवरब्रिज के पास पहुंचे तो पीछे से आये किसी वाहन ने दोनों की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए।

घटना का पता चलते ही आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में दाखिल करवाया। वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने मोहन लाल को मृत घोषित कर दिया।

जैतसर गांव 12 जीबी में डेंगू से मौत

जैतसर, (निसं)। जैतसर गांव 12 जीबी में एक व्यक्ति की डेंगू से मौत हो गई है। मृतक पांच दिन से बुखार से पीडित था।

मृतक के परिवार के कृष्ण जोशी ने बताया कि गांव 12 जीबी निवासी कस्तूरीलाल जोशी पुत्र कान्हाराम बुखार से पीडित था। इस दौरान सूरतगढ़, हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर के निजी चिकित्सालय में उसका इलाज चल रहा था।

श्रीगंगानगर के निजी चिकित्सालय में प्लेटलेट्स कम होने के कारण उसकी मौत हो गई। जैतसर क्षेत्र में संभवतया डेंगू से मौत का यह पहला मामला है। मृतक जैतसर में किराणा की होलसेल दुकान पर लम्बे समय से काम कर रहा था। कस्तूरीलाल की मौत का समाचार मिलते ही व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद हो गए। संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष हरबंस थरेजा, मोनू सेतिया, लेखराज गजरा ने बताया कि सभी किराना दुकानदारों ने कस्तूरी लाल के निधन पर शोक व्यक्त किया।

जैतसर कस्बे और आसपास के गांवों में इस समय बुखार रोगियों की संख्या सर्वाधिक है। पिछले माह कस्बे में बढ़ रही बुखार रोगियों की संख्या को देखते हुए ग्राम पंचायत जैतसर व ग्राम पंचायत बुगिया ने मच्छर रोधी दवा का छिड़काव करवाया था। राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भी 50 से अधिक रोगी प्रतिदिन बुखार के आ रहे हैं। चिकित्सा प्रभारी डॉ अनोख बिश्नोई ने बताया कि एएनएम, आशा वर्कर व सहयोगिन की ओर से घर-घर टेमीफोस दवा पानी की टंकी में डलवाई जा रही है।

■ डेंगू से संक्रमित होने पर प्लेटलेट्स कम हुई, इलाज के दौरान मौत

सूने मकान से चांदी के जेवर व नकदी चोरी

हनुमानगढ़, (कासं)। चोरों ने जंक्शन के सेक्टर 12 में सूने मकान को निशाना बनाते हुए चांदी के जेवरात, नकदी, लैपटॉप, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया।

मकान मालिक व परिवार के सदस्य वापस घर आए तो ताले टूटे देख चोरी का पता चला। इस संबंध में जंक्शन पुलिस थाना में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार दीपक मोदी पुत्र श्यामलाल निवासी सेक्टर नम्बर 12, जंक्शन ने लिखित रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि वह 25 अक्टूबर की शाम करीब 4 बजे मकान को ताला लगाकर परिवार सहित किसी काम से बाहर चला गया। पीछे से कोई व्यक्ति उसके मकान में घुसकर कमरे में रखी अलमारी में से एक जोड़ी चांदी की पायजेब, एक चांदी का कड़ा, एक हाथ घड़ी, एक लैपटॉप, एक मोबाइल फोन, 20 हजार रूपए की नकदी चोरी कर ले गया। वे वापस आये तो मकान के मुख्य द्वार व मकान में बने कमरों के दरवाजों पर लगे ताले टूटे हुए थे। अलमारी का लॉक टूटा हुआ था। चांदी के गहने, रूपए एवं अन्य सामान गायब था। उसने चोरी करने वाले की काफी तलाश की मगर कोई पता नहीं चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी।

■ चोरों ने जंक्शन के सेक्टर 12 में सूने मकान में चोरी की वारदात की

कैम्पर की टक्कर से एक की मौत

नोखा, (कासं)। सड़क दुर्घटना में एक की मौत हो गई। जबकि दो व्यक्ति घायल हो गए।

पांचू के कैलाश सुथार ने मुकदमा दर्ज करवाया है कि 2 नवम्बर को रात्री में वह और उसका भाई गजेन्द्र सुथार,गजेन्द्र मेहरड़ा, नारायण हम चारों नोखा से रासीसर रिश्तेदारी में से आ रहे थे। इतने में विलेश्वर विद्यालय के आगे पहुंचे। उस समय गजेन्द्र मेहरडा मोटरसाइकिल चला रहा था और उसका भाई गजेन्द्र सुथार पीछे बैठा था। हम दोनों पीछे से आ रहे थे। इतने में हमने बाइक को साइड में खड़ी की और बाथरूम करने के लिए रूके। उसी दौरान तेज गति से कैम्पर गाडी के चालक ने साइड में खड़ी बाइक सहित तीनों को टक्कर मार दी। तीनों को लेकर पीबीएम पहुंचा जहां डॉक्टर ने जेन्द्र सुथार को मृत घोषित कर दिया।

मकान मालिक नींद में सोते रहे, चोरों ने लाखों का माल उड़ाया

बीकानेर, (कासं)। शहर में लगातार बढ़ते अपराध पुलिस को चुनौती देती नजर आ रही है। नयाशहर थाना इलाके में एक मकान में चोरी कर लाखों रूपये का सामान चोर चुरा ले गये।

जानकारी मिली है कि मुरलीधर रोड़ स्थित रामदेव पार्क के सामने वाली गली में सुशील पुरोहित के मकान में अलसुबह 3 बजे चोरी की वारदात को अज्ञात चोरों ने अंजाम दे दिया। बताया जा रहा है कि जिस समय यह वारदात हुई उस समय पूरा परिवार गहरी नींद में सो रहा था।

इस बीच चोर उनके घर से 20 हजार रूपये नकद, आठ सोने की चूड़ी, चांदी की पायल, कानों के टॉप्स, नाक का तिनखा, हाथ के कड़े चोरी कर ले गए। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना के बाद पुलिस ने मौके का मुआयना कर चोर की तलाश में जुट गई है।

जिस घर में चोरी की वारदात हुई है। उसके पास में चेतालाई श्मसान घाट है। जहां दिन-रात नशेड़ी व असामाजिक तत्वों का जमघट लगा रहता है। ऐसा अंदेशा लगाया जा रहा है कि यहां आने वालों में से ही किसी न चोरी की इस वारदात को अंजाम दिया होगा। ऐसा बताया जा रहा है कि पहले इसी श्मसान घाट में एक युवक की हत्या कर दी गई थी।

पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। अगर नयाशहर थाना इलाके ही बात करें तो पिछले 72 घंटों में थाना क्षेत्र में लूट, चोरी, चाकूबाजी, मारपीट की करीब आधा दर्जन वारदातें हुई है। जहां दीपावली वाले दिन भाटों के बास क्षेत्र में एक युवक पर चाकू से हमला बोला गया था। अगले दिन पुष्करणा स्कूल के पास विवाहिता मीनाक्षी के गले से सोने की चैन झपट ले गये। झपटमार युवक गोकुल सर्किल से विवाहिता का पीछा कर रहे थे। जिसका सीसीटीवी भी सामने आ चुका है।

■ मुरलीधर रोड़ स्थित सुशील पुरोहित के मकान में हुई चोरी की वारदात

पानी लगाने से जल रही सरसों की फसल को बचाने के उपाय बताये

बीकानेर, (कासं)। कृषि विभाग की टीम द्वारा सोमवार को खाजूवाला के 6 केवाईडी क्षेत्र में सरसों की फसल का निरीक्षण किया गया।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने बताया कि पानी लगाने से जल रही सरसों की फसल को बचाने के लिए विभाग की टीम द्वारा किसानों को आवश्यक उपचार बताये गए। उन्होंने बताया कि सरसों के निरीक्षण के दौरान उसमे फंगस जनित बीमारी जड़ गलन पाई गई। इसके उपचार के लिए यूरिया के साथ 500 ग्राम कारबंडाजीम प्रति बीघा पानी लगने के बाद उपचार के रूप में एवं जहां पानी लग गया है। वहां पर वीटावैक्स पावर या कारबंडाजीम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करने का किसानों को सुझाव दिया गया।

निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी के साथ क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ एच. एल. देशवाल, उपनिदेशक (पौध व्याधि) प्रेमाराम, उपनिदेशक (सांख्यिकी) डॉ मानाराम जाखड़, सहायक निदेशक भैराराम गोदारा उपस्थित थे। स्थानीय सहायक कृषि अधिकारी सुभाष तथा पवन गोदारा ने टीम का प्रभावित क्षेत्र के किसानों के यहां भ्रमण करवाया।

खाजूवाला के 6 केवाईडी क्षेत्र में कृषि विभाग की टीम ने सरसों की फसल का निरीक्षण कर किसानों को जलने से बचाने के लिए दवा के छिड़काव का सुझाव दिया।

■ वीटावैक्स पावर या कारबंडाजीम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करने का सुझाव दिया

नहर से पानी चोरी : श्रीगंगानगर सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने एमएमके नहर पर नहरी पानी की चोरी पकड़ी है। इस नहर पर पाइप लगाकर पानी चुराया जा रहा था। नहर विभाग के अधिकारियों को जांच के दौरान इसका पता लगा। नहर में पानी चोरी की जानकारी मिली तो अधिकारियों ने मौके से पानी चोरी के लिए लगे पाइप हटवाए। के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। हनुमानगढ़ के सिंचाई विभाग के जेईएन गगनदीप सिंह की ओर से गांव मोरजंडखारी निवासी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

12 साल में भी नहीं बढ़ा उत्तर पुस्तिकाएं जांचने का मानदेय

बीकानेर, (कासं)। शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने कहा कि महंगाई पिछले बारह वर्षों से लगातार बढ़ती जा रही है। इस कारण सब कुछ महंगा हो गया। सरकारी कार्यों की राशि में भी बढ़ोतरी की गई। लेकिन राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की ओर से प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली बोर्ड परीक्षाओं में विभिन्न कार्यों के लिए के लिए दिए जाने वाले मानदेय की राशि में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। जो की बेहद ही चिंताजनक है।

परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के लिए वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याताओं को बतौर परीक्षक के कार्य करने के साथ-साथ उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का अतिरिक्त कार्य करना होता है। जिसके लिए बोर्ड अतिरिक्त मानदेय के रूप में दसवीं के लिए 14 रूपए और 12 वीं के लिए 15 रूपए की राशि प्रति उत्तर पुस्तिका प्रदान की जाती है। जो की वर्तमान की महंगाई के दौर में ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

शिक्षक नेता मोहर सिंह सलावद ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा के लिए विभिन्न कार्यों के लिए निर्धारित पारिश्रमिक दरों में 2012 के बाद बारह वर्षों के बाद भी कोई वृद्धि नहीं की गई। जबकि बोर्ड परीक्षा के आवेदन लेते समय विद्यार्थियों से लिया जाने वाला शुल्क दो तीन वर्ष बाद बढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में प्रति विद्यार्थी 600 रूपए बोर्ड परीक्षा का आवेदन शुल्क लिया जा रहा है। प्रतिवर्ष बढ़ती महंगाई को ध्यान में रखते हुए पारिश्रमिक दरों में भी वृद्धि की जानी चाहिए ताकि कुछ लाभ मिल सके।

शिक्षकों की मानें तो महंगाई के इस दौर में इस राशि से एक पेन ही बड़ी मुश्किल से खरीदा जा सकता है। वर्तमान में एक अच्छे पेन के भी दस से 15 रूपए लगते हैं। एक पेन से करीब तीन उत्तर पुस्तिकाओं का ही मूल्यांकन हो पाता है। इसलिए प्रति उत्तर पुस्तिका के लिए मिलने वाली इस राशि में से 50 प्रतिशत राशि तो अकेले पेन पर ही खर्च हो जाती है। मूल्यांकन के लिए खर्च किए जाने वाले अतिरिक्त समय के लिए पर्याप्त राशि भी नहीं मिल पाती है।

उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के लिए मिलने वाले कम मानदेय के कारण हर कोई आसानी से उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करना भी नहीं चाहता। लेकिन कार्य नहीं करने पर बोर्ड की ओर से दिए जाने वाले नोटिस के कारण वरिष्ठ अध्यापक व व्याख्याता को ये कार्य करना पड़ता है।

■ मानदेय के रूप में दसवीं बोर्ड के लिए 14 रूपए और 12 वीं के लिए 15 रूपए की राशि मिलती है

रीट परीक्षा-2021 में फर्जीवाड़ा करने का इनामी आरोपी मोटाराम गिरफ्तार

सिद्धपुर, गुजरात में होटलों पर तथा रिश्तेदारी में छुपकर फरारी काट रहा था आरोपी

बालोतरा, (निसं)। पुलिस थाना बालोतरा ने 25 हजार रूपए के इनामी अपराधी मोटाराम को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोटाराम जिला बालोतरा की टॉप-10 सूची में शामिल था तथा रीट परीक्षा 2021 में फर्जीवाड़े सहित कई प्रकरण में तीन वर्ष से फरार था।

एसपी बालोतरा कुंदन कंवरिया ने बताया कि जिले में वांछित व इनामी अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जारी दिशा-निर्देशानुसार गोपालसिंह भाटी आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा एवं अनिल पुरोहित, आरपीएस, वृताधिकारी बालोतरा के सुपरविजन में ओमप्रकाश बिश्नोई थानाधिकारी बालोतरा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा प्रतियोगिता परीक्षा रीट परीक्षा, 2021 में असल अभ्यर्थी की जगह डमी/फर्जी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा उत्तीर्ण करवाने आदि प्रकरण में तीन वर्ष से फरार 25 हजार रूपये के

बालोतरा पुलिस ने आरोपी मोटाराम को गिरफ्तार किया।

इनामी अपराधी मोटाराम को गिरफ्तार किया। रीट भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वालों में मोटाराम भी शामिल था। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण में शेष 16 आरोपियों को गिरफ्तार कर बाद अन्वेषण न्यायिक अभिरक्षा में मिजवाये गये।

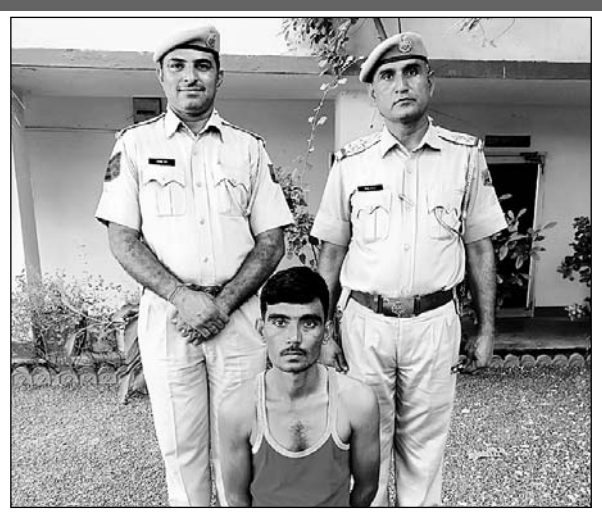

शेष फरार आरोपियों के विरुद्ध

- **दीपावली पर्व पर अपने घर पर आने की सूचना पर पुलिस टीम ने दबीश देकर रहवासीय घर के खेत में फसल कटाई के दौरान आरोपी को पकड़ा**

25-25 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया था। वांछित आरोपियों की दस्तयाबी बाबत् विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा आसूचना संकलन एवं तकनीकी सहायता से अथक प्रयास करते हुए प्रकरण में वांछित इनामी अपराधी मोटाराम पुत्र बाबूलाल विश्नोई निवासी राजीव नगर पुलिस थाना सांचौर जिला सांचौर को गिरफ्तार किया। आरोपी मोटाराम प्रकरण दर्ज होने के बाद पुलिस के भय से छुप रहा था। सिद्धपुर, गुजरात में खाने की होटलों पर तथा अपने रिश्तेदारी में अलग-अलग जगह पर छुपकर फरारी काट रहा था, जो दीपावली पर्व पर अपने घर पर आने की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा दबीश देकर उसके रहवासीय घर के पास खेत में फसल कटाई के दौरान दस्तयाब किया गया।

प्रकरण में अब तक कुल 19 मुलजिम गिरफ्तार किए जा चुके हैं। वहीं रीट परीक्षा 2021 अनुचित तरीके से उत्तीर्ण करने के लिए अपने स्थान पर डमी अभ्यर्थी हापूराम को बैठाने के लिए हापुराम व मोटाराम का मिश्रित फोटो स्कैन करके कूटरचना करने के लिए षडयंत्रकारी रमेश को अपने फोटो व शैक्षणिक दस्तावेज देकर रीट परीक्षा का कूटरचित आवेदन किया था। उक्त डमी अभ्यर्थी हापुराम व षडयंत्रकारी रमेश को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

बिना पोस्टमार्टम के ही कोचिंग छात्र का शव ले गए परिजन

छात्र की मौत साइलेंट हार्ट अटैक से बताई जा रही है

- **विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें हार्ट अटैक के सिम्टम्स नजर नहीं आए हैं, हार्ट के अन्य कारण की वजह से भी मौत हो सकती है**
- **'स्टूडेंट को सिर दर्द की शिकायत थी, जिसका इलाज चल रहा था'**

कोटा, (निसं)। कोटा में इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहे छात्र की मौत साइलेंट हार्ट अटैक से बताई जा रही है जबकि विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें हार्ट अटैक के सिम्टम्स नजर नहीं आए हैं। हार्ट के अन्य कारण की वजह से भी मौत हो सकती है। छात्र अपनी मां के साथ तलवंडी इलाके में रहता था।

पुलिस उप अधीक्षक प्रथम योगेश शर्मा ने बताया कि 18 वर्षीय छात्र अथर्व रंजन अपनी मां के साथ तलवंडी इलाके में एक पीजी में रहता था। वह निजी कोचिंग संस्थान में इंजीनियरिंग एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी पिछले डेढ़ साल से कर रहा था। मां उसे जगाने गई तो उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। आनन-फानन में महिला बेटे को निजी अस्पताल लेकर पहुंची जहां पर उपचार के दौरान छात्र ने दम तोड़ दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मोर्चरी में शिफ्ट किया।

हैड कॉन्स्टेबल राजूलाल ने बताया कि सोमवार सुबह मृतक के चाचा आयुष रंजन जयपुर से कोटा आए। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम करवाने से लिखित में इनकार कर दिया और दाह संस्कार के लिए शव को पटना ले गए। स्टूडेंट को सिर दर्द की शिकायत थी जिसका इलाज चल रहा था। बताया जा रहा है कि अथर्व रविवार को नाश्ते के बाद सिर दर्द की दवाई लेकर सोया था। कोटा मेडिकल कॉलेज के कॉर्डियोलॉजी विभाग में सहायक आचार्य डॉ. हंसराज ने बताया कि मौत का कारण तो पोस्टमॉर्टम होने पर ही सामने आयेगा। मुंह से झाग निकलने के 3 कारण हो सकते हैं। पहला उसे कोई दौरा (सीजर) आया हो और दिमाग़ की कोई दवा चल रही हो। सीजर के दौरान रेसप्रेट कर गया हो। दूसरा उसे धड़कन की प्रॉब्लम हुई हो। तीसरा सस्पेक्टेड पॉइजन का मैटर हो। डॉ. हंसराज ने बताया कि इस केस में साइलेंट हार्ट अटैक के सिम्टम्स नजर नहीं आ रहे हैं। धड़कन की प्रॉब्लम की वजह से भी ऐसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता की पिछले एक-दो सालों में पहले के मुकाबले 45 साल से कम उम्र के लोगों की मौत साइलेंट हार्ट अटैक से हो रही है। इस दौरान ये आंकड़ा करीब 15 से 20 प्रतिशत बढ़ गया है।

आईसीएमआर की ताजा स्टडी रिपोर्ट बताती है कि भारत में 4 करोड़ मरीज दिल की बीमारी के हैं। हर साल 7 लाख लोगों की हार्ट अटैक से मौत हो जाती है। राजस्थान में यह आंकड़ा सालाना 50 हजार है। डॉक्टर इसका सबसे बड़ा कारण डायबिटीज को मानते हैं। देश में 8 करोड़ डायबिटीज के मरीज हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि अगर हार्ट अटैक से बचना है तो डायबिटीज को कंट्रोल रखना होगा। डॉ.हंसराज कहते हैं कि लोगों को कम से कम 1 साल में एक बार बेसिक जांच कराते रहना चहिए।

पिता को किडनैप कर बेटे से फिरौती मांगी

बीकानेर, (निसं)। यहां एक ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के साथ अपहरण और फिरौती के मामले में बीछवाल पुलिस दो दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं कर पाई है। पुलिस की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में छानबीन कर रही है लेकिन कोई बड़ा इनपुट पुलिस के हाथ नहीं लगा है।

बीछवाल थाना क्षेत्र में स्थित करणी इंडस्ट्रियल एरिया से एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक रामरख जाट को तीन बदमाश जबरन उठाकर ले गए। रामरख की कनपटी पर पिस्तौल रखकर ये लोग जबरन एक वाहन में ले गए। बाद में रामरख के बेटे अनोपाराम को फोन करके कहा कि घर में जितना भी सोना और नगदी है, वो लेकर आएं। घबराकर बेटा सोने के गहने लेकर पहुंचा। बदमाश गाड़ी चलाकर उसे गांधी नगर के पास रजिस्ट्रार ऑफिस से गंगानगर चौराहे होकर उसे भीम नगर ले गए। जहां बेटे ने उसे सोने का बाजूबंद, गले की ठुसी, कानों के झुमके और अन्य गहनों की पोटली सौंप दी।

बदमाशों ने गहनों की पोटली लेने के बाद रामरख को कोलायत रोड पर छोड़ दिया। इस दौरान उसके बेटे अनोपाराम को वीडियो कॉल किया गया और वीडियो कॉल बंद नहीं करने की चेतावनी दी गई। अनोपाराम ने सावधानी से दूसरे कॉल से बात करके अपने चाचा केशुराम को सूचना दी। केशुराम ने पुलिस को सूचना दी। नाकेबंदी भी हुई लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने बताया- अब तक इस मामले में कोई इनपुट हाथ नहीं लगा है। मामले की गंभीरता से छानबीन की जा रही है। अलग-अलग टीम गठित करके सभी को अलग-अलग दिशाओं में काम करने के निर्देश दिए गए हैं।

दो दोस्तों की नाडी में डूबने से मौत, परिवारों में मातम

शाहपुरा/भीलवाड़ा, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित केकड़ी सड़क मार्ग पर मॉडर्न स्कूल के सामने एक नाड़ी में सेल्फी खींचने के दौरान दो मित्र नाड़ी की दलदल में फस जाने से मौत हो गई।

जानकारी अनुसार मॉडल स्कूल के 9 वीं कक्षा के छात्र श्लोक जागेटिया व आईपीएस स्कूल के नवीं कक्षा के छात्र रुद्रप्रताप सिंह सौदा दोनों परम मित्र थे। दोनों मित्रों का साथ खेलना, कूदना, रहना पसंद करते थे। इनका राष्ट्रीय स्तर पर टीटी में चयन हुआ था, जिसको लेकर दोनों आज दोनों टीटी खेलने के लिए मॉडल स्कूल गए हुए थे।

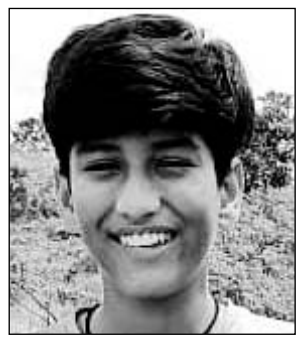

दोनों मॉडल स्कूल के पास सामने पानी से भरी नाड़ी पर फोटो खींच रहे थे। इस दौरान पैर फिसल गया। जिससे दोनों दलदल में फंस गए और हादसा

मृतक दोनों दोस्तों के फाइल फोटो।

घटित हो गया। एक छात्र ने तुरंत भाग कर सड़क पर आकर लोगों से सहायता मांगने लगा।

देखते ही देखते लोग एकत्रित हो गए तथा दोनों को बाहर निकल लिया, दोनों को तुरंत जिला चिकित्सालय शाहपुरा पहुंचाया गया जहां उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। इस दौरान पुलिस भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

शेखावाटी में पारा गिरा

चूरू, (कासं)। शेखावाटी में पारे में लगातार गिरावट आने लगी है। मध्य रात्रि के बाद हल्की सर्दी महसूस होने लगी है। हालांकि पंखे आदि चलने बंद नहीं हुए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 15.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। पिछले दिवस की तुलना में आज यहां न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। हालांकि अधिकतम तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। पिछले तीन दिन में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। उधर किसानों ने बिरानी चने की बुवाई के लिए खेतों को तैयार कर लिया है। किसानों ने कहा कि बारिश होते ही बुवाई करेंगे, बिना बारिश के बिरानी चने की फसल होना सम्भव नहीं है।

बॉर्डर पार करते पाकिस्तानी युवक को पकड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीकरणपुर के नग्गी इलाके में बीएसएफ ने एक पाकिस्तानी युवक को पकड़ा है। यह युवक पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा था।

युवक जीरो लाइन क्रॉस करके भारतीय सीमा क्षेत्र में आ गया था, हालांकि उसने फेंसिंग क्रॉस नहीं की थी। बीएसएफ ने उसे ललकारा तो वह रुक गया। इस पर उसे पकड़ कर बीएसएफ पोस्ट पर लाया गया। यह युवक 1 नवंबर को पकड़ा गया था। बीएसएफ ने पूछताछ के बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी। सोमवार को बीएसएफ और पुलिस, दोनों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि युवक अभी अपने बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता रहा है। हालांकि बीएसएफ ने अब तक युवक का कोई फोटो या वीडियो जारी नहीं किया है। बीएसएफ सूत्रों ने बताया कि शुरुआती तौर पर युवक अपने बारे में कुछ भी नहीं बता रहा है। उसने अपने नाम और वह पाकिस्तान में कहां का रहने वाला है, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सूचना
(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उपधारा (2) के तहत)

1. **पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड,** कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित, जिसका पंजीकृत कार्यालय **बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016** है, ने केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग नई दिल्ली के समक्ष पारेषण लाइनों, सब-स्टेशनों और अन्य संपत्तियों के संबंध में पारेषण लाइसेंस देने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18 की उप-धारा (2) के तहत एक आवेदन किया है, जिसका विवरण निम्नलिखित है:-
क. मौजूदा लाइसेंस का विवरण – 215/टीएल/2024
ख. जोड़ने या हटाए जाने वाले पारेषण तत्व का विवरण:

क्र. सं.	पारेषण परिसंपत्तियों और स्थान का नाम	लाइन की लंबाई/क्षमता	अनुमानित समापन लागत	अनुसूची सीओडी (जोड़ने के मामले में)	टिप्पणियाँ
1	संबंधित ट्रांसफार्मर बे के साथ फतेहगढ़-III पीएस (सेक्शन-1 पर 5वीं आईसीटी) में ट्रांसफार्मर के साथ संवर्द्धन *1 नग 400 केवी (एआईएस) (संबंधित टाई बे सहित) और 1 नग 220 केवी (एआईएस) ट्रांसफार्मर बे	500 एमवीए 400/220 केवी आईसीटी-**1 नग** 400 केवी आईसीटी बे (एआईएस) (संबंधित टाई बे सहित)-**1 नग** 220 केवी (एआईएस) आईसीटी बे – **1 नग**	₹ 58.18 करोड़	सीटीयूआईएल द्वारा ओएम जारी होने की तारीख से 18 महीने यानी 26.04.2025	विनियमित टैरिफ तंत्र के तहत लागू किया जाना है

PG/CC/Notice-120 (TBCB)/Advt-154/24-25 Contad

2. आयोग के समक्ष दायर पूरा आवेदन और अन्य दस्तावेज सभी की पहुंच के लिए पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.powergrid.in/subsidiaries** पर उपलब्ध हैं। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के कार्यालय-द्वारा ईडी (टीबीसीबी), पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुड़गांव 122001 में श्री एस. के. मिश्रा, परियोजना प्रभारी पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग के कार्यालय में भी किया जा सकता है।
3. आपत्तियां या सुझाव, यदि कोई हों, समाचार पत्र में नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट को आपत्ति(ओं)/सुझाव(ओं) की एक प्रति के साथ सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 के समक्ष दाखिल किए जाएं।

स्थानः जैसलमेर — परियोजना प्रभारी,
दिनांकः 05.11.2024 — पावरग्रिड रामगढ़ ट्रांसमिशन लिमिटेड

3.39 लाख बालिकाओं को गार्गी और बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार मिलेगा

- **70 प्रतिशत बाकी, 30 नवंबर तक नामांकन होंगे**

बीकानेर, (निसं)। 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक हासिल करने वाली राज्य की 3.39 लाख बालिकाओं को गार्गी और बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार से नवाजा जाएगा। बालिका शिक्षा फाउंडेशन ने पात्र बालिकाओं के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पिछले माह शुरू कर दी है। 17 दिन में करीब 30 फीसदी बालिकाओं ने शाला दर्पण पोर्टल पर पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित है।

फिलहाल स्कूलों में मध्यावधि अवकाश की छुट्टियां चल रही है। इस कारण पिछले चार में आवेदन की संख्या काफी कम रही है। बालिका शिक्षा फाउंडेशन के आंकड़ों के मुताबिक 1.08 लाख बालिकाओं को गार्गी की प्रथम किस्त 3 हजार रुपए तथा 79007 बालिकाओं को द्वितीय किश्त के लिए चयनित किया गया है। वहीं बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार में राज्य की 1.51 लाख बालिकाएं पात्र हैं। कुल 3.39 लाख बालिकाओं में से 17 दिन में 98989 बालिकाओं ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। शेष रही छात्राएं भी समय पर आवेदन करें। फाउंडेशन के अधिकारियों ने संबंधित जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org
क्रमांक : निविजा/2024-25/ई -23 — दिनांक :- 04.11.2024
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 23/2024-25
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 166.49 लाख के कुल 12 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 04.11.2024 एवं अंतिम तिथि 13.11.2024 तथा निविदा खुलने की तिथी 14.11.2024 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2425WSOB00128
राज.संवाद/सी/24/7286 — अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

RAJASTHAN SAMWAD
Department of Information and Public Relations, Government Secretariat, Jaipur-302005
(Telephone No. 0141- 2227325, E-mail id :- dipr.rajasthan@gmail.com, rajasthansamwad2002@gmail.com)
NOTICE INVITING BIDS
NIB No. 145 Date : 04/11/2024
Bids for **Providing Services of Live Streaming of State Government events with Multi Camera Setup** are invited from interested bidders up to 03:00 PM 22/11/2024. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in**) of the state; and **https://dipr.rajasthan.gov.in/**. The approximate value of the procurement is **Rs. 50 Lakh. (Rs. in Word Fifty Lakhs only). UBN : IPR2425SLRC00025**
Raj.Samwad/C/24/7301 — Managing Director

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML Bajri-XVI)/2024/ई-08940
ई-नीलामी विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत विभाग के अप्रधान खनिजों के खननपट्टों के आवंटन के लिए 22 प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

क्र.सं.	जिला	ग्राम (तहसील)	खनिज	कुल प्लॉट
1	ब्यावर	गुड़िया (रायपुर), जालिया-II (विजयनगर)	बजरी	02
2	राजसमन्द	मोही, अमलोई, फतेहनगर (राजसमन्द), बड़लिया, भूरवाडा, ओड़ा चौकड़ी, पीपली, अहिरान (कुवांरिया, रेलमगरा)	बजरी	04
3	टोंक	वशीपूरा, लाक, डोडवाड़ी, मूंडिया, मारोडा (पीपलू)	बजरी	05
4	जोधपुर (ग्रामीण)	चौढा, बेनण, जाटियावास, बुचकला, बांकलिया, जसपाली (पीपाड़ शहर)	बजरी	04
5	शाहपुरा	तरनियांखेड़ा, ओडियाखेडा, जामोली, रामगढ, रावतोडा, रामपुरा (जहाजपुर)	बजरी	04
6	सिरोही	नया सानवाडा, कोटडा, वीरवाडा, उन्दरा, परलाई (पिण्डवाडा)	बजरी	01
7	बालोतरा	कनाना (पचपदरा)	बजरी	01
8	चित्तौडगढ़	उमण्ड व करूकडा, हिंगवानिया, गुदंली (कपासन व भूपालसागर)	बजरी	01
		कुल		22

विशेष नोट-
1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण-ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध हैं।
DIPR/C/10768/2024 — (भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

अनीता चौधरी हत्याकांड : सरदारपुरा के बाजार बंद रहे

- **जाट युवा मंच ने पुलिस की जांच को नाकाफी बताते हुए सीबीआई जांच की मांग रखी है।**
- **हत्याकांड के मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी की पत्नी आबिदा परवीन ने संकेत दिए कि इस हत्याकांड में कुछ और लोग भी शामिल थे**
- **मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पुलिस की गिरफ्त से बाहर, अनीता चौधरी का शव अस्पताल की मोर्चरी में रखा है**

जोधपुर, (कासं)। अनीता चौधरी हत्याकांड में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। हालांकि पुलिस इसकी पुष्टि नहीं कर रही है। हत्याकांड को लेकर सोमवार को जोधपुर सरदारपुरा व्यापारी संघ ने दोपहर एक बजे तक अपने प्रतिष्ठान स्वैच्छापूर्ण से बंद कर विरोध जाहिर किया। हत्या का आरोपी अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। जाट युवा मंच ने पुलिस की जांच को नाकाफी बताते हुए सीबीआई जांच की मांग रखी है। जारी प्रेस विज्ञिप्त में कई सवालों को उठाया गया है, जिसे पुलिस द्वारा अब तक स्पष्ट नहीं किया जा सका है। कई नामी गिरामी लोगों का हाथ होने की आशंका अब तक जताई जा रही है। शव आज भी अस्पताल की मोर्चरी में रखा रहा। व्यापारियों और जाट समाज ने आज सरदारपुरा गोल बिल्डिंग पर धरना दिया। सीबीआई जांच की मांग को लेकर राज्य सरकार के नाम ज्ञापन दिया गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को हत्याकांड के मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन फारूकी की पत्नी आबिदा परवीन ने संकेत दिए कि इस हत्याकांड में कुछ और लोग भी शामिल थे। वह स्वयं बेकसूर है और घटना वाले दिन वह अपनी बहन के यहां थी। इधर पुलिस और मृतका के परिजनों के बीच अभी गतिरोध कायम है। अनीता के शव का अब तक निस्तारण नहीं हुआ है। मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही शव का निस्तारण करने की बात समाज द्वारा कही गई है। सर्व समाज द्वारा सोमवार को इस हत्याकांड के खिलाफ गोल बिल्डिंग चौराहा पर धरना दिया गया। साथ ही सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक सरदारपुरा बाजार बंद रखा गया।

गुजरात महाराष्ट्र भागने की आशंका :-अनीता हत्याकांड के करीब एक छह दिन हो चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। सूत्रों का कहना है कि आरोपी गुलामुद्दीन राजस्थान से बाहर भाग गया है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी गुजरात या फिर महाराष्ट्र की ओर भागा होगा। वहीं आरोपी की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगी हुई है।

फुटेज आए सामने :-आरोपी गुलामुद्दीन का 29 अक्टूबर का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें वो अपनी एक्टिवा के साथ नजर आया। पुलिस को गुलामुद्दीन की एक्टिवा मिली है, जिससे एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है। हालांकि बरामद फोन में कोई सिम नहीं था। फिलहाल पुलिस मोबाइल की पड़ताल कर रही है।

अनिता का भी फुटेज मिला :- अनीता का दुकान से निकल कर रिक्शे में बैठते हुए जाने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। वह पीले सूट में हाथ में बैग लिए रिक्शे में बैठती नजर आ रही है। शव के पास बैग पुलिस को बरामद नहीं हुआ। वहीं गुलामुद्दीन का भी सीसीटवी फुटेज पुलिस के हाथ लगा है। इसमें वह एक्टिवा पर बैठकर जाता हुआ नजर आ रहा है। यहां एक दुकान से उसने बैग भी खरीदा था। पुलिस अनीता की हत्या के पीछे गहनों की लूट बता रही थी, लेकिन 27 अक्टूबर को जब अनीता अपने पार्लर से निकली तो वो कोई गहना नहीं पहनी थी।

वहीं अब घटना वाले दिन का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें अनीता समान्य सलवार सूट में पार्लर से निकली और ऑटो में बैठते नजर आई। ऐसे में अंदाजा लगाया जा रहा है कि जब उसने गहने पहने ही नहीं थे तो गुलामुद्दीन ने क्या लूटने के लिए उसकी हत्या की? क्या इस हत्या के पीछे और कुछ वजह है? हालांकि, पुलिस की ओर से इस मामले में फिलहाल तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आए हैं। केवल आरोपी गुलामुद्दीन को जल्द पकड़ की बात कही जा रही है। बरामद शव लाल लहंगे व अन्य कपड़ों में मिला था। जबकि गायब होने के दौरान मृतका ने सलवार सूट पहना था। उसके कपड़े बदले हुए थे। अनिता से दुष्कर्म की आशंका भी जताई गई है।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
राजस्थान सरकार का उपक्रम
बढ़ रहा प्रदेश बढ़ रहे उद्योग
रीको के साथ लगाएं नये उद्योग

सरल ई-नीलामी के माध्यम से
आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

कुल भूखण्ड	औद्योगिक भूखण्ड	व्यावसायिक भूखण्ड	आवासीय	दुकानें
172	146	02	10	14

ईएमडी
प्रारम्भ तिथि : 06 नवम्बर, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 20 नवम्बर, 2024 (सायं 06:00 बजे)

ऑनलाईन बिड
प्रारम्भ तिथि : 21 नवम्बर, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 25 नवम्बर, 2024 (सायं 05:00 बजे)

07 अजमेर	06 बालोतरा	03 बांसवाड़ा	09 भरतपुर	19 भीलवाड़ा
03 भिवाड़ी-I	09 भिवाड़ी-II	02 बीकानेर	09 बोरानाड़ा	03 चूरू
08 जयपुर (उत्तर)	08 जयपुर (ग्रामीण)	09 जयपुर (दक्षिण)	04 ईपीआईपी सीतापुरा (जयपुर)	04 झालावाड़
03 जोधपुर	06 कोटा	10 किशनगढ़	18 मण्डोर	13 पाली
01 राजसमंद	05 सवाईमाधोपुर	02 सीकर	08 श्रीगंगानगर	03 घिलोठ

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ*

सामान्य प्रश्नों के लिए स्कैन करें

*T&C Apply
Raj.samwad/C/24/7313

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेलः riico@riico.co.in
ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें www.riico.co.in

सुखवीर सिंह चौधरी व राजाराम चौधरी सहित 14 नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नागौर और सवाई माधोपुर के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा की उपस्थिति में नागौर की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी ने सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व सदस्यों के साथ भाजपा परिवार की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं सरपंच राजाराम चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य लादूराम कुदण, यूथ कांग्रेस से मनमोहन चौधरी, विजेंद्र बसवाणा, पंचायत समिति सदस्य भोमसिंह गौड, तेजाराम चौधरी के साथ कार्यकर्ता दिनेश वैष्णव, श्रवण विश्नोई, सुखराम प्रजापत, अमृताराम जाजडा, आदुराम लेगा, काजी अतेशानुद्दीन व सवाई माधोपुर से पार्षद असीम खां के साथ भाजपा में विश्वास जताते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नागौर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह चौधरी, सरपंच, जिला परिषद सदस्य, पूर्व सदस्यों को दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया।

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर आमजन थाम रहा है भाजपा का दामन : मदन राठौड़**

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा ने बताया कि सुखवीर सिंह चौधरी नागौर जिला परिषद के दो बार सदस्य, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य रहने के साथ ही 20 सूत्रीय कार्यक्रम नागौर के पूर्व उपाध्यक्ष एवं पूर्व सदस्य भी रह चुके है। इनके पिता स्व. गणेशराम मुंडवा भी राजनीति क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाते हुए प्रधान भी बने। वहीं राजाराम चौधरी भी सरपंच रहने के साथ ही पूर्व जिला परिषद सदस्य रह चुके है। पूर्व और वर्तमान में विभिन्न पदों पर रहते हुए कांग्रेस पार्टी को छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले नेताओं का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। इस दौरान वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मंच पर उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज आमजन भाजपा की रीति और नीति में विश्वास जता रहा है। एक ओर कांग्रेस पार्टी है जिसकी गलत नीतियों के चलते उसका मूल कार्यकर्ता पार्टी से दूर हो रहा है। कांग्रेस पार्टी समाज में गलत धारणाएं फैलाने का काम कर रही है, इससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मोह भंग हो रहा है। वहीं दूसरी ओर भाजपा है जहां राष्ट्र प्रथम की नीति पर कार्य किया जाता है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित वो पार्टी है जहां कार्यकर्ताओं का सम्मान परिवार के सदस्य के रूप में किया जाता है। ऐसे में कांग्रेस के मूल कार्यकर्ता भाजपा परिवार में शामिल हो रहे है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आव्हान किया कि जो भी किसी भी राजनीतिक दल में कुंठा महसूस कर रहा है वह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा परिवार में शामिल हो सकता है। भाजपा में सबका सम्मान किया जाएगा और यहां सर्वे भवन्तु सुखिन: के भाव से कार्य किया जाएगा।

सरकार 5 साल में 10 लाख रोजगार के अवसर सृजित करेगी : सी.एम.

- **'विगत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दे चुकी है'**
- **मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से हो रहे युवाओं के सपने साकार**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पांच वर्षों में निजी क्षेत्र में 6 लाख एवं सरकारी क्षेत्र में 4 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार अवसरों के सृजन की निरंतरता में कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। दिसंबर माह में आयोजित होने वाला तीसरा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने की दृष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और 'सुराज संकल्प' की दिशा में अहम कदम साबित होगा।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर आगामी मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव की तैयारियों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेते हुए प्रदेश में नियमित रूप से मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। विगत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दे चुकी है। अब दिसंबर माह में प्रस्तावित तीसरे मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में भी हजारों युवाओं को नियुक्तियां दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के संकल्प पत्र के वादे को पूरा करने के लिए पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित भी कर रही है।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकाय विभाग को सफाईकर्मियों की भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शीघ्र निस्तारित करते हुए इसे पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपादित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 48 हजार 593 चतुर्थ श्रेणी एवं समकक्ष पदों तथा 3 हजार 170 वाहन चालकों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करेगी। उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देशित किया कि वे भर्तियों के संबंध में अभ्यर्थना मार्च 2025 की स्थिति में भिजवाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा पदों पर भर्तियां हो और युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिल सके। इस कार्य में कोताही बरतने पर संबंधित विभाग के अधिकारी पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। शर्मा ने परिवर्तित बजट 2024-25 की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला स्तर पर लंबित विकास कार्यों के लिए कलक्टर्स जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर जमीन आवंटन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों को महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी प्रदान किए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव एवं सचिव उपस्थित रहे।

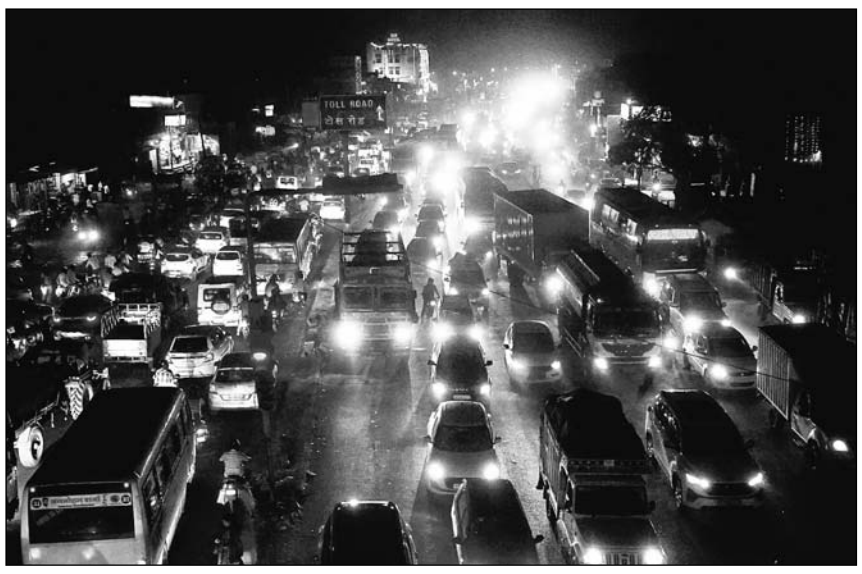

त्यौहारी सीजन में जाम लगना आम बात हो गई है। अभी दीपोत्सव के 6 दिन त्यौहार को मना कर लोग वापस अपने कार्यस्थल पर पहुंच रहे हैं जिससे सड़कों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई है। सीकर रोड स्थित 14 नम्बर पुलिया के पास शहर की तरफ आने वाली सड़क पर शाम को वाहन लंबे जाम में फंस गये। फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

अब संस्कृत के छात्र बनेंगे आयुर्वेद डॉक्टर

- **केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी के प्रयास रंग लाये**
- **बीएएमएस पाठ्यक्रम के माध्यम से सात वर्ष और छह माह का होगा आयुर्वेद कोर्स**

जयपुर। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माध्यम से अब देशभर में संस्कृत के छात्र आयुर्वेद में डॉक्टर बन सकेंगे। भारतीय चिकित्सा पद्धित राष्ट्रीय आयोग अधिनियम 2020 प्री आयुर्वेद प्रोगाम फॉर बैचलर ऑफ़ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी विनियम 2024 ने गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। रेजिडेंशियल स्नातक कार्यक्रम जिसमें दो वर्ष का प्री-आयुर्वेद, साढ़े चार वर्ष का बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी और एक वर्ष का अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप क्रो शामिल किया गया है, जिसमें राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दसवीं कक्षा के बाद प्रवेश होंगा संस्कृत से 10वीं उत्तीर्ण जरूरी साढ़े सात वर्षीय बीएएमएस प्री आयुर्वेद डिग्री कोर्स में 2 वर्ष के प्री आयुर्वेद व साढ़े 4 वर्ष के बीएएमएस के साथ ही एक वर्ष की अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप का समावेश किया है। प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड सहित के संस्कृत बोर्ड ऑफ स्टेट या किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से तथा 10 प्लस 2 पैटर्न से 10वीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। न्यूनतम आयु 15 वर्ष होगी। प्रवेश के लिए नीट की तर्ज पर ही आयुर्वेद गुरुकुलम की एक समान प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम इंट्रेंस टेस्ट फॉर प्री आयुर्वेद प्रोग्राम (एनईईटी-पीएपी) को 50 फीसदी अंकों से उत्तीर्ण करना होगा।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि यह नया प्रयोग एनसीएस आयुर्वेद आयोग आयुष मंत्रालय के अधिन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का एमओयू हुआ है। संस्कृत के छात्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा पूरे भारत में 25 ऐसे महाविद्यालय खोले जायेंगे। संस्कृत के छात्र बीएएमएस परीक्षा पास करके संस्कृत माध्यम से मूल ग्रंथों का अध्ययन इस तरह से एक आयुर्वेद के अध्ययन की परम्परा शुरू कर रहे 10 साल के अंदर इतने अच्छे आयुर्वेद डॉ आयेंगे जो आयुर्वेद के अच्छे विद्वान् हैं उनका प्रभाव समाज में ज्यादा हो संस्कृत क्रो आयुर्वेद के साथ जोड़ा जा रहा यह एक अभिनव पहल हैं इससे संस्कृत के छात्रों क्रो ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। आयुर्वेद गुरुकुलम का अर्थ है एक स्वायत्त आवासीय आयुर्वेद संस्थान या कॉलेज, जिसमें एक शिक्षण अस्पताल भी शामिल है।

गोविंददेवजी मंदिर में भजन संध्या आज

जयपुर । जयपुर समारोह 2024 के तहत हैरिटेज निगम की ओर से विशाल श्याम भजन संध्या का आयोजन मंगलवार शाम 6 बजे गोविंद देव जी मंदिर में आयोजित होगी।

जयपुर समारोह के नोडल अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि हैरिटेज नगर निगम की ओर से जयपुर शहर के स्थापना के अवसर पर 18 अक्टूबर से एक महीने तक लगातार आयोजन किए जा रहे है। मंगलवार को जौहरी बाजार व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग हॉल में विशाल श्याम भजन संध्या आयोजित की जाएगी। जिसमें विभिन्न भजन गायक मधुर स्वरों में श्याम बाबा का गुणगान करेंगे। कार्यक्रम में महापौर कुसुम यादव, आयुक्त अरुण कुमार हसीजा सहित पार्षद और निगम अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

भाजपा की डबल इंजन सरकार रामगढ़ में विकास के नए आयाम करेगी स्थापित : मदन राठौड़

- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने रामगढ़ में कार्यकर्ताओं से संवाद किया**

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सोमवार को अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह के समर्थन में प्रचार-प्रसार किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि रामगढ़ की जनता भाजपा के प्रत्याशी सुखवंत सिंह के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और क्षेत्र के विकास के लिए सुखवंत सिंह को जीताकर विधानसभा भेजेगी। भाजपा की डबल इंजन सरकार रामगढ़ में विकास के लिए नए आयाम स्थापित करेगी।

मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने जन समर्थन और जन अपेक्षाओं के अनुरूप प्रत्याशी मैदान में उतारकर मतदान से पूर्व आधा चुनाव अपने पक्ष में कर लिया। भाजपा में पन्ना प्रमुख, बूथ समिति, मंडल और शक्ति केंद्रों के साथ जिला और प्रदेश स्तरीय संगठन के कार्यकर्ता मिलकर प्रत्याशी के समर्थन में जुटे हुए है। वहीं क्षेत्र के विकास के लिए आमजन भी केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार के साथ जुड़ना चाहते हैं। इस आधार पर भाजपा प्रत्याशी सुखवंत सिंह को उपचुनावों में जनता का अपार स्नेह और प्यार मिलेगा। भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं, रामगढ की जनता स्वयं को सुखवंत मानकर चुनाव लड़ रही है, ऐसे में रामगढ़ में कमल खिलना तय हो गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा में संगठन, अनुशासन और राष्ट्र सर्वोपरि की धारणा पर कार्यकर्ता कार्य करता है। इसी लिए आम कार्यकर्ता को भाजपा आगे बढ़ाने का कार्य करती है। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में जन समर्थन प्राप्त प्रत्याशी को उपचुनावों में उतार कर भाजपा ने जनता के जनाधार का सम्मान किया है। रामगढ़ से भाजपा बहुमत के साथ चुनाव जीतेगी। राठौड़ ने कहा कि एक ओर भाजपा है जहां आमजन जन इस पार्टी के साथ जुड़ना चाहता है, वहीं दूसरी ओर ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जिसके साथ जुड़ना तो दूर लोग अलग हो रहे है। कांग्रेस के मूल कार्यकर्ता उसकी गलत नीतियों से दूर जा रहे है। एक आदमी भी उनसे जुड़ना नहीं चाहता है। अब प्रदेश की जनता जागरूक हो गई है और कांग्रेस के बहकावे में आने वाली नहीं है। प्रदेश के सभी सातों उपचुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज कराएगी।

प्रदेश के 3.25 लाख दुग्ध उत्पादकों को 183 करोड़ रु. का अनुदान जारी

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के तहत भजनलाल सरकार ने 5 रुपये प्रति लीटर की दर से दी है अनुदान राशि

जयपुर (कासं)। राज्यभर की सहकारी डेयरियों से जुड़े दुग्ध उत्पादकों को दीपावली के अवसर पर मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत 5 रुपये प्रति लीटर की दर से अनुदान राशि मिलने से खुशी की लहर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर दीपावली से ठीक पहले दुग्ध उत्पादकों को 183.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इससे राज्यभर में 3.25 लाख से अधिक दुग्ध उत्पादक लाभान्वित हुए हैं। इतना ही नहीं, फैडरेशन से सम्बद्ध अलग-अलग जिला दुग्ध संघों की दुग्ध समितियों द्वारा राज्यभर के दुग्ध उत्पादकों को दीपावली से पूर्व 20 करोड़ रुपये से अधिक का लाभांश अलग से वितरित किया गया है।

- **दिवाली पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह अनुदान राशि जारी करवाकर किसानों को दिया तोहफा**

यह जानकारी देते हुऐ राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन के प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिये मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत 600 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया था। दीपावली से पूर्व राज्य सरकार से राशि प्राप्त होने पर आरसीडीएफ द्वारा डीबीटी के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को 183.22 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। राज्यभर के दुग्ध उत्पादकों में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत अनुदान और लाभांश वितरण से खुशी की लहर है। भारद्वाज ने बताया कि राजस्थान राज्य की सहकारी डेयरियों में दुग्ध संकलन में लगातार हो रही बढ़ोतरी में मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादकों को मिलने वाले अनुदान का बहुत बड़ा योगदान है। राजस्थान राज्य के सभी दुग्ध उत्पादकों को आश्वस्त किया है कि दुग्ध उत्पादकों की सामाजिक एवं आर्थिक समृद्धि के लिये आरसीडीएफ कृत संकल्प है।

कांग्रेस ने युवाओं की आँखों में धूल झोंकी थी : मदन दिलावर

- **'भजनलाल सरकार युवाओं के सपने को साकार करेगी'**

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस अध्यक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि रीट में चीट करने के जिम्मेदारों को हर जगह खोट ही दिखाई देगा। बड़बोले डोटासरा ने आँखों पर पट्टी बाँध रखी है। इसीलिए उन्हें भजनलाल शर्मा की सरकार द्वारा की जा रही भर्तियां और विकास के काम दिखाई नहीं दे रहे।

दिलावर ने कहा कि डोटासरा शायद नहीं चाहते कि महिलाओं को तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती लेवल वन में आरक्षण मिले इसीलिए इसमें अड़चनें डालना चाह रहे हैं।

पहली बार सरकार आगे खाली होने जा रहे पदों की भी गणना कर भर्तियां करने जा रही है। कांग्रेस राज में जो भर्तियां अटकी थी उनको भी हमने पूरा किया है।

कांग्रेस ने युवाओं की आँखों में धूल झोंकी थी जिसका परिणाम ये हुआ कि या तो भर्तियां न्यायालय में रुक गई या पेपर लीक के कारण रद्द की गई।

मदन दिलावर ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो वादा किया है चाहे वह भर्तियों से संबंधित हो या महिलाओं के आरक्षण से संबंधित हो हम उसे पूरा करेंगे।

दीपावली पर सूने मकानों से जेवर और नकदी चोरी

जयपुर। दीपावली पर चोर 4 सूने मकानों को निशाना बनाकर जेवरात और लाखों रुपए की नकदी ले गए। दोनों परिवार के बाहर जाने का फायदा उठाकर चोर मेन गेट के लॉक तोड़कर अंदर घुसे थे। घटनाएं भांकरोटा, खोहनागोरियान व करधनी इलाके की है। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि चौधरी कॉलोनी कमला नेहरु नगर निवासी सुरेश चन्द शर्मा ने भांकरोटा थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ अपने दूसरे मकान पर गए हुए थे। पीछे से बदमाशों ने चोरी की नीयत से सूने मकान को निशाना बनाया। मकान का मेन गेट का लॉक तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी में रखे लाखों रुपए के गहने व कैश चोरी कर ले गए। अजमेर रोड कमला नेहरु नगर चौधरी कॉलोनी निवासी अमित भारद्वाज ने मामला दर्ज करवाया कि वह दीपावली पर अपने स्थाई मकान पर गया था पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर जेवरात व नकदी ले गए। घटना का पता पीडित को वापस घर लौटने पर लगा। करधनी थाने में हनुमंत नगर गोकुलपुरा निवासी जितेन्द्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि वह रविवार को परिवार सहित बाहर गए हुए थे। उनके सूने मकान का लॉक तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी के लॉकर में रखे सोने-चांदी के गहने और 16 हजार रुपए चोरी कर ले गए। वापस घर लौटने पर पीड़ितों को चोरी की वारदात होने का पता चला।

चुनाव आयोग की बैठक आयोजित

जयपुर। राजस्थान चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम विषय आधारित बैठक आयोजित की गई। बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसमें भाजपा की ओर से विधि प्रकोष्ठ के संयोजक सौरभ सारस्वत, सह संयोजक अशोक सिंह शेखावत, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और योगेंद्र सिंह तंवर उपस्थित रहे।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मतदाता सूचियों के अपडेशन में सहयोग करें : नवीन महाजन

प्रारूप मतदाता सूचियां 9 और 23 नवम्बर को ग्राम सभाओं में पढ़ी जाएंगी

जयपुर । राजस्थान में 193 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों को त्रुटिरहित बनाने के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एस.एस.आर)-2025 अभियान के तहत 29 अक्टूबर को प्रारूप सूचियों का प्रकाशन कर दिया गया है। अब जो नागरिक 1 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर रहे हैं, वे नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, 17 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के ऐसे मतदाता, जो वर्ष 2025 के 1 अप्रैल, 1 जुलाई , 1 अक्टूबर 2025 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर मतदाता होने की पात्रता प्राप्त कर रहे हैं, वे भी वीएचए एप अथवा बीएलओ अथवा वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से प्रारूप-6 में अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सोमवार को प्रदेश में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ इस विषय पर बैठक में कहा कि एसएसआर अभियान के तहत आयोजित होने वाली विशेष बैठकों में अधिक से अधिक लोगों को हिस्सा लेना चाहिए तथा मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने, हटाने, मतदाताओं के पते, जन्मतिथि, फोटो आदि में संशोधन के कार्य में आवेदन प्रस्तुत कर सूचियों को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख 28 नवम्बर है। महाजन ने कहा कि एसएसआर अभियान के तहत आगामी 9 और 23 नवम्बर को प्रारूप मतदाता सूचियों का ग्राम सभाओं, वार्ड अथवा आवासीय वेलफेयर सोसायटी की विशेष बैठकों में पठन और सत्यापन किया जाएगा उन्होंने मतदाता सूचियों में नए नाम जोड़ने और इनके शुद्धिकरण के कार्य में राजनैतिक दलों और आम लोगों से भागीदारी की अपील की है। उन्होंने बताया कि ग्राम अथवा वार्ड सभा की बैठकों के अतिरिक्त मतदान केन्द्रों पर भी 10 और 24 नवम्बर को सम्बंधित बीएलओ राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट और आम लोगों के साथ बैठकों का आयोजन करेंगे, जिनमें सूचियों के पठन और सत्यापन कार्य किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार, इन बैठकों के दौरान मतदाता सूचियों पर दावे-आपतियां और संशोधन के लिए आवेदन अथवा सुझाव दिए जा सकेंगे। उन्होंने राजनैतिक दलों से सभी मतदान केन्द्रों के लिए अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियोजित करने और उन्हें इस प्रक्रिया तथा प्रस्तावित बैठकों में भाग लेने के लिए निर्देशित करने का आग्रह किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने सोमवार को प्रदेश में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

- **मतदान केन्द्रों पर बी.एल.ओ. की बैठक 10 और 24 नवम्बर को होगी**

पंजीयन व मुद्रांक, खनन, आबकारी सहित विभागों से राजस्व जुटाने की जानकारी ली

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने राजस्व अर्जन वाले विभागों को पूर्ण गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व वसूली से संबंधित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्व अर्जन से संबंधित मामलों में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो। नियमों की पालना के साथ शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित की जाए।

जिला कलेक्टर ने पंजीयन व मुद्रांक, परिवहन, खनन, आबकारी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों द्वारा राजस्व अर्जन की जानकारी ली। इस दौरान बकाया चल रही पुरानी वसूली करने की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंध और 8 बजे बाद खुली शराब की दुकानों पर कार्यवाही जारी रखने को कहा।

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व वसूली से संबंधित अधिकारियों की बैठक को संबोधित किया।

- बकाया चल रही पुरानी वसूली करने की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए
- कलेक्टर ने अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंध और 8 बजे बाद खुली शराब की दुकानों पर कार्रवाई जारी रखने को कहा

बैठक में जिला आबकारी अधिकारी डॉ रश्मि जैन, जिला परिवहन अधिकारी भारती नैथानी, पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग डीआईजी स्टाम्प मनीषा लेघा, वाणिज्य कर विभाग सहायक आयुक्त चित्रा सिंह, खनन विभाग वरिष्ठ प्रारूपकार जयपाल अरोड़ा उपस्थित रहे। इससे पूर्व कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने समस्त विभागों की जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, लक्ष्यों, आवेदनों की स्थिति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना की प्रगति, ई- फाइल के औसत निस्तारण, पशुधन आरोग्य योजना में औषधियों का वितरण, संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों के निस्तारण तथा विभागीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मिशन सुरक्षित स्कूल के तहत मूलभूत सुविधाओं से वंचित विद्यालयों को विकसित करने हेतु विद्युत, जलदाय विभाग, जिला परिषद सहित अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

स्कूलों में विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कार्य करने को कहा। स्वास्थ्य एवं श्रम विभाग को आपसी समन्वय से निर्माण श्रमिकों को प्रसूति सहायता योजना से लाभान्वित करने के लिए प्रचार-प्रसार किया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश गुप्ता, सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी पवार, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश पुरोहित सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रसोई गैस सब्सिडी के लिए सीडिंग जरूरी

बीकानेर, (कासं)। एनएफएसए लाभार्थियों को रसोई गैस सब्सिडी के लिए 5 से 30 नवम्बर तक एलपीजी आईडी की सीडिंग करवानी होगी।

रसोई गैस सिलेंडर सब्सिडी योजनान्तर्गत जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को संबल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना तथा बीपीएल श्रेणी के परिवारों को 450 रूपए में एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। बजट घोषणा 2024-25 से इसका दायरा बढाते हुए एनएफएसए के लाभार्थियों को 450 रूपए में एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए जायेंगे।

जिला रसद अधिकारी भागुराम महला ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी परिवारों को एलपीजी गैस सिलेंडर 450 रूपए में प्राप्त करने के लिए एनएफएसए राशन कार्ड के सभी सदस्यों के आधार एवं परिवार में उपलब्ध समस्त एलपीजी आईडी की सीडिंग करवाया जाना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि सीडिंग के लिए संबंधित उपभोक्ता को 5 से 30 नवंबर 2024 तक नजदीकी उचित मूल्य दुकान पर जाकर पोस मशीन के माध्यम से प्रत्येक एनएफएस परिवार के समस्त सदस्यों के आधार नंबर की सीडिंग, ई-केवाईसी तथा करवाई जानी है। यह 17 अंकों की आईडी संबंधित गैस एजेंसी की ओर से जारी बिल वाउचर में प्रदर्शित है।

सार-समाचार

बाबा दीपसिंह द्वार का लोकार्पण

हनुमानगढ़, (कासं)। जंक्शन में वार्ड 10, 11 और 13 की सीमा पर अम्बेडकर चौक के पास निर्मित शहीद बाबा दीपसिंह द्वार का लोकार्पण सोमवार को विधायक गणेश राज बंसल, नगर परिषद सभापति सुमित रणवां और निजी कॉलेज एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष तरुण विजय ने किया। लोकार्पण से पहले अरदास की गई। शहीद बाबा दीपसिंह गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी की मांग पर नगर परिषद की ओर से करीब 30 लाख रूपए की लागत से शहीद बाबा दीपसिंह के नाम से भव्य द्वार का निर्माण करवाया गया है। इसके अलावा द्वार का सौन्दर्यकरण अन्य दानवीरों के सहयोग से किया गया है। करीब तीन महीने में यह द्वार बनकर तैयार हुआ है। इस मौके पर विधायक गणेश राज बंसल ने कहा कि यह द्वार क्षेत्रवासियों को शहीद बाबा दीपसिंह की शहीदी की याद दिलाता रहेगा। नगर परिषद सभापति सुमित रणवां ने बताया कि शहीद बाबा दीपसिंह गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से पिछले करीब दो-तीन साल से शहीद बाबा दीपसिंह के नाम से द्वार का निर्माण करवाने की मांग की जा रही थी, लेकिन जगह के अभाव में और इसे किस रोड पर बनाया जाए। इसको लेकर कशमकश चली। लेकिन विधायक गणेश राज बंसल की दूरदर्शिता से द्वार निर्माण के लिए जगह तय हुई। पहले अम्बेडकर सर्किल से सड़क का चौड़ाईकरण कार्य किया गया। सड़क के बीच डिवाइडर का निर्माण करवाया गया। उसके बाद इस जगह शहीद बाबा दीपसिंह द्वार का निर्माण किया गया है। उन्होंने गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी से कहा कि यह हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। इस ऐतिहासिक धरोहर की समय-समय पर देखरेख हो। इसी तरह इस रोड की भव्यता को बनाकर रखें। पार्षद बलराज सिंह दानेवालिया ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। आज के दिन महापुरूष शहीद बाबा दीपसिंह द्वार का लोकार्पण हुआ है। यह भव्य द्वार अपने आप में मिसाल है। इस मौके पर नगर परिषद आयुक्त सुरेन्द्र यादव, गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष जरनैल सिंह, पूर्व उपसभापति नगीना बाई, पार्षद परविन्द्र कौर, सुलोचना देवी, गुरदीप सिंह बराड़, कौरसिंह खोसा, सुनील अमलानी, सिंगाराम, रमेश कण्डा, पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल, अशोक गोरी, रमजान खान, जगदीप सिंह, नारायण नायक, निरंजन नायक, रविन्द्रपाल सिंह, आत्मासिंह, देवेन्द्र सिंह, अमृतपाल सिंह, रामनिवास, सुखविन्द्र सिंह, बलविन्द्र सिंह, बलदेव सिंह, जोगिन्द्रसिंह, गुरमीत सिंह, रमेश, बलजिन्द्र सिंह, थानासिंह, सुरेन्द्र अरोड़ा, लखवीर सिंह, जसकरण सिंह, मलकीत सिंह, युधिष्ठिर, भूपेन्द्र नेहरा, परविन्द्र सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

लापता बच्चे को पुलिस ने दस्तयाब किया

खेतड़ी, (निसं)। मेहाडा थाना क्षेत्र के बांसियाल गांव से चार दिन पहले लापता हुए बच्चे को पुलिस ने सोमवार को दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने बच्चे को दिल्ली के रेलवे स्टेशन से बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाधिकारी सरदारमल चौधरी ने बताया कि बांसियाल निवासी सत्येंद्र ने एक नवंबर को थाने में उपस्थित होकर रिपोर्ट दी कि उसका बेटा नवीन कुमार 28 अक्टूबर को घर से बिना बताए कहीं चला गया। इस दौरान परिजनों ने उसकी काफी तलाश की तथा रिस्तेदारी, पहाडी क्षेत्र में खोजने का प्रयास किया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। थाने में मामला दर्ज होने के बाद सीकर एसपी भूवन भूषण यादव के निर्देश पर एएसपी गिरधारी लाल शर्मा ने एक विशेष टीम का गठन कर बच्चे का सुराग लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस की टीम ने अपहृत बालक की तलाश में मेहाडा जाटुवास, शिमला, निजामपुर के ईंट भट्ठे, होटल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। वहीं हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्रों में संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। इस दौरान पुलिस ने हरियाणा व दिल्ली की स्पेशल टीमों से सम्पर्क कर बच्चे के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मेहाडा थाना क्षेत्र से लापता हुआ बच्चा दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर है। इस दौरान पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा बच्चों की जानकारी जुटाकर उसे बरामद कर लिया। पुलिस की टीम ने बच्चे को थाने लाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि बच्चे के लापता होने को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान कोई भी व्यक्ति यदि इस वारदात में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान टीम में थानाधिकारी सरदारमल चौधरी, एएसआई ताराचंद, एचसी हरिराम, सागरमल, कांस्टेबल बनवारीलाल आदि शामिल थे।

गुढ़ा ने हमला बोला

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं उप चुनावों में पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में है। उनके निशाने पर लगातार कांग्रेस और ओला परिवार है। बीती रात को ईदगाह मैदान में हुई सभा में भी राजेंद्र सिंह गुढा आक्रामक अंदाज में नजर आए। उन्होंने कहा कि वे तो पूर्व में घोषणा कर चुके थे कि यदि कांग्रेस किसी भी मुसलमान को टिकट देगी तो वे चुनाव नहीं लड़ेंगे। लेकिन ओला परिवार अपनी वंशवाद की राजनीति कर रहा है। अयूब खान जब कांग्रेस से झुंझुनूं के सांसद हुआ करते थे। तो शीशराम ओला ने तिवाड़ी कांग्रेस से चुनाव जीतकर एक मुसलमान को हराने का काम किया। यही नहीं बाद में इसी ओला परिवार ने खुद कांग्रेस की टिकट मुसलमान के हाथ से छीनी। जो मुसलमान पार्लियामेंट में प्रतिनिधित्व करता था। उस पर खुद कब्जा कर दिया। राजेंद्र गुढा का जो भाषण वायरल हो रहा है उसमें गुढा कह रहे हैं कि हमारे सामने रास्ता था, हम भाजपा की सरकार बना सकते थे। लेकिन जिस तरह की सांप्रदायिक सोच, भाई को भाई से लड़ाना। मैं जिंदगी के अंदर भाजपा जैसी सांप्रदायिक पार्टी के अंदर संबंध नहीं रखूंगा। जब तब जिंदा रहूंगा संबंध नहीं रखूंगा। आपको बताना चाह रहा हूं। कांग्रेस पार्टी से चुनाव जीतकर एमएलए बनकर मानेसर जब हमारे बृजेंद्र ओला जी गये थे। नरेंद्र मोदी की गोद में बैठ गए थे। क्या ये गुंडागर्दी नहीं है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था। ओन द रिकॉर्ड कह रहा हूं। मीडिया के लोग खड़े है। कि इन लोगों ने 15-15 करोड रूपए की पहली किश्त ले ली थी। बृजेंद्र ओला के उपर अशोक गहलोत ने 15 करोड रूपए नरेंद्र मोदी अमित शाह से लेकर अपने घर पर रखने का आरोप लगाया है।

दीया कुमारी आज आएंगी

झुंझुनूं, (निसं)। विधानसभा उप चुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशी राजेन्द्र भांबू के दौरे में जनसैलाब उमड़ रहा है। भांबू के चुनावी दौरे में जनता का भरपूर समर्थन मिलता नजर आ रहा है। इसी क्रम में सोमवार को भाजपा प्रत्याशी राजेन्द्र भांबू ने प्रतापपुरा पंचायत के चारणवास, आदर्श नगर, देसूसर, समसपुर, प्रतापपुरा गांवों से जनसंपर्क कार्यक्रम शुरू किया। देसूसर गांव में आयोजित कार्यक्रम में भांबू का भारी संख्या में ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

राजीनामा के लिए पार्षद ने प्राइवेट पार्ट पर चोटें मारी

श्रीगंगानगर, (कासं)। पीडित महिला के अनुसार उसके 15 साल के बेटे से आरोपी अक्षय डागला तथा उसके साथियों ने रात को मारपीट की तथा प्राइवेट पार्ट में चोटें मारी। पीडित किशोर की ओर से जवाहर नगर थाने में पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट के लिए पीड़िता के बेटे को जिला अस्पताल लेकर गई। लेकिन दीपावली त्योहार के कारण सरकारी छुट्टी की वजह से पीड़ित किशोर को जिला अस्पताल में भर्ती करवा दिया। पीड़ित मां के अनुसार पार्षद अक्षय डागला का पिता कालिया लद्दू उर्फ मुरारीलाल नायक अपने पुत्रों-इशु डागला व अभिषेक डागला तथा भुट्टो व एक अन्य व्यक्ति के साथ दो नवम्बर को अस्पताल आए।

कालिया लद्दू ने धमकी दी कि अगर उन्होंने उसके बेटे पार्षद अक्षय डागला के खिलाफ दर्ज करवाये पोक्सो एक्ट के मुकदमे में राजीनामा नहीं किया तो उनको खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि अक्षय की जमानत तो कोर्ट से हो जायेगी। इसके बाद तुम लोगों को शहर में नहीं रहने दूंगा। डराकर कार में साथ ले गए।

- पोक्सो एक्ट के मुकदमे में राजीनामा के लिए पार्षद के पिता व भाई पर अपहरण व मारपीट कर दबाव बनाने का आरोप

वह एक नवम्बर की रात को अपने दोस्त के साथ घर के बाहर पटाखे चला रहा था। तभी पार्षद अक्षय डागला के आदमी आये और उसे जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले गए। पार्षद अक्षय तथा वहां मौजूद अन्य लोग शराब पी रहे थे और नशे में थे। उसे लेकर गए युवकों ने उसको पकड़ लिया और पार्षद अक्षय ने रॉड से पीटना शुरू कर दिया। ये लोग उसे करीब दो घंटे तक रूक-रूककर पीटते रहे और प्राइवेट पार्ट में रॉड से चोट पहुंचाई। वह दर्द से चिल्लाने लगा तो उन्होंने छोड़ दिया। वह रोता हुआ, दर्द से कराहता हुआ पैर घसीटते हुए जैसे-तैसे घर पहुंचा। इसके बाद सारी बात घर पर बताई और फिर थाने पहुंचे। श्रीगंगानगर के जवाहर नगर थाने के हिस्ट्रीशीटर व कांग्रेस पार्टी में आस्था रखने वाले इंदिरा कॉलोनी निवासी कालिया लद्दू उर्फ मुरारीलाल डागला पुत्र कानाराम, उसके बेटों-इशु डागला व अभिषेक डागला, भुट्टो पुत्र मोहम्मद हसन तथा एक अन्य ने जिला अस्पताल से एक किशोर का अपहरण कर लिया। वारदात दो नवम्बर दोपहर की है।

आरोपी किशोर तथा उसकी मां को अपनी कार में बैठाकर शहर में घुमाते रहे। वे इस किशोर तथा उसकी मां को अपने बेटे पार्षद अक्षय डागला के खिलाफ जवाहर नगर थाने में दर्ज करवाए गए पोक्सो एक्ट के मुकदमे में राजीनामा करने को दबाव बना रहे थे। अपनी जान बचाने को पीड़ित किशोर तथा उसकी मां ने राजीनामा की हां भर दी। तब ये चारों इनको कार में बैठाकर जवाहर नगर थाने पहुंच गए।

बेसहारों के सहारा बने डेरा श्रद्धालु

तारानगर (निसं)। डेरा सच्चा सौदा के वर्तमान गद्दीनशीन पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा द्वारा चलाये जा रहे 167 मानवता भलाई कार्यों के तहत एवं उनकी पावन प्रेरणा पर चलते हुए तारानगर व राजपूरा ब्लॉक की साध संगत ने डेरा सच्चा सौदा के संस्थापक बेपरवाह शाह मस्ताना जी महाराज के पावन अवतार माह के शुभ अवसर पर क्षेत्र के भाग्य श्री अनाथ आश्रम में रह रहे लाचार, बेसहारा व अनाथ लोगों के लिए उनके काम आने वाली जरूरत की वस्तुएं भेंट की। तारानगर मानवता भलाई केंद्र प्रबंधक कमेटी सदस्य प्रभुदयाल इंसा व राजवीर इंसा ने बताया कि पूज्य गुरूजी की प्रेरणा से हम तारानगर व राजपूरा ब्लॉक के सेवादारों ने मिलकर आश्रम में रह रहे सभी बे सहारा लोगों कों चारपाई, गर्म पकडे, चप्पल व फल भेंट दिए है। अनाथ आश्रम के संचालक सुभाष पूनियाँ व उनकी टीम ने पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा धन्य है ऐसे गुरूजी जिनकी शिक्षा पर चलते हुए आज कलयुग में उनके सेवादार मानवता की सेवा में जी जान से लगे हुए है। ज्ञात रहे कि सुभाष पूनियाँ स्वयं दोनों पैरों से विकलांग है।

सवा किलो गांजा व हेरोइन सहित दो गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला पुलिस की नशीले एवं मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अनवरत जारी है। इस क्रम में जिला विशेष टीम की सूचना पर हनुमानगढ़ जंक्शन एवं नोहर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाई में 1 किलो 253 ग्राम गांजा, 11 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) एवं 65 हजार 220 रूपए की ब्रिकी राशि बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक अरशद अली की ओर से जिले में अवैध मादक पदार्थों, नशा तस्करी, जुआ, सट्टा, क्रिकेट बुक्की व अवैध धंधों की रोकथाम के लिए जीरो टोलरेंस अभियान की अपने-अपने क्षेत्राधिकार में सख्ती से पालना करवाए जाने के लिए सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी क्रम में जिला विशेष टीम की सूचना पर हनुमानगढ़ जंक्शन पुलिस थाना के एसआई मोहरसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने बाइपास रोड स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास कार्रवाई करते हुए अशोक कुमार (36) पुत्र तरसेम लाल सोनी निवासी वार्ड 53, सेठ हंसराज स्कूल के पास, सुरेशिया, हनुमानगढ़ जंक्शन के कब्जे से 1.253 किलोग्राम गांजा तथा 65 हजार 220 रूपए की बिक्री राशि बरामद कर गिरफ्तार किया।

- 11 ग्राम हेरोइन व 65 हजार रूपए ब्रिकी राशि बरामद

अनुसंधान टाउन पुलिस थाना के एसआई रणवीर सिंह कर रहे हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में एसआई मोहरसिंह, हैड कांस्टेबल प्रेम कुमार, कांस्टेबल कप्तान सिंह, चेतनराम व जगननाथ शामिल थे। इस कार्रवाई में जिला विशेष टीम सैक्टर हनुमानगढ़ की विशेष भूमिका रही। नोहर थाना पुलिस ने बाइक सवार युवक के कब्जे से 11 ग्राम चिट्टा बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। नोहर पुलिस थाना के कार्यवाहक प्रभारी एसआई विजेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने बाइक सवार मुगले आजम पुत्र आमीन खान निवासी वार्ड 12, जोगी आसन मोहल्ला नोहर को 11 ग्राम हेरोइन सहित गिफ्तार किया।

जहर से मुक्ति आंदोलन, 9 को जिला बंद की घोषणा

श्रीगंगानगर, (कासं)। जहर से मुक्ति आंदोलन के बैनर तले 9 नवम्बर को जिला बंद किया जायेगा।

ट्रेडर्स एसोसिएशन हॉल में विभिन्न संगठनों ने बैठक कर जिला बंद को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की तथा आमजन से आंदोलन में शामिल होने का आव्हान किया। जहर से मुक्ति आंदोलन के तत्वावधान में 9 नवम्बर को घोषित जिला बंद को सफल बनाने को लेकर नई धानमंडी स्थित ट्रेडर्स एसोसिएशन भवन में विभिन्न संगठनों की संयुक्त बैठक हुई।

इसमें जहर से मुक्ति आंदोलन के संयोजक मनिंदर सिंह मान, माकपा के रविंद्र तरखान ने उपस्थित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया कि पंजाब से नहरों में केमिकल युक्त जहरीला पानी आ रहा है। इसी पानी को हम पेयजल के रूप में उपयोग में लेते हैं। इससे कैंसर व पेट की बीमारियां फैल रही है। इसके साथ ही जिले में मेडिकल व केमिकल नशे का कारोबार लगातार बढ़ रहा है और युवा चपेट में आ रहे हैं। इसके साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावट पर भी अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ सैंपल लेने की बात कहकर आमजन को गुमराह कर रहे हैं। जिला बंद के दौरान 9 नवबर को जिले की सभी मंडियों में विभिन्न संगठनों की संयुक्त बैठक होगी।

सोने-चांदी के आभूषण चोरी

श्रीगंगानगर, (कासं)। अनूपगढ़ जिले में रायसिंहनगर के वार्ड चार में देर रात चोरों ने सूने मकान में चोरी की।

वारदात के समय मकान मालिक खाटू श्याम दर्शन के लिए गए हुए थे। वे सुबह चार बजे लौटे तो उन्हें वारदात का पता लगा। इस पर मकान मालिक ने आसपास के लोगों को जानकारी दी और सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

सीसीटीवी फुटेज में रात दो बजे दो नकाबपोश युवक मकान की तरफ आते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में आशंका है कि इन दोनों ने ही चोरी की। मकान मालिक श्यामलाल ने बताया कि वह वार्ड चार में किराए के मकान में रहता है। वह दो नवंबर को परिवार सहित खाटू श्याम दर्शन के लिए गया था।

एम.एस.पी. पर 14 दिन में मूंग की 2 हजार क्विंटल ही खरीद

श्रीगंगानगर, (कासं)। सरकार को मूंग बेचने के लिए अब तक 9945 किसान रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। सरकार ने 21 अक्टूबर से खरीद भी शुरू कर दी, लेकिन अब तक 14 दिन में सरकार ने सिर्फ 2000 क्विंटल मूंग की ही खरीद की है।

मूंग खरीद की रफ्तार धीमी होने के कारण किसानों में आक्रोश है। किसानों का आरोप है कि खरीद केन्द्रों पर मूंग की क्वालिटी खराब होने के बात कहकर उन्हें वापस लौटाया जा रहा है। मूंग खरीद एजेंसी राजफैड की ओर से किसानों के रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए 15 अक्टूबर से पोर्टल ओपन किया गया। सरकार को मूंग बेचने के लिए श्रीगंगानगर जिले में 4051, अनूपगढ़ में 3411 व हनुमानगढ़ जिले में 2483 किसान ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। सरकार ने बकायदा 21 अक्टूबर से तीनों जिलों के सभी 54 केन्द्र भी खरीद के लिए ओपन कर दिए। लेकिन अब तक 14 दिन बीत चुके हैं तथा सिर्फ कुछ ही केन्द्रों पर खरीद हुई है। अब तक तीनों जिलों में सिर्फ 2000 क्विंटल मूंग की एमएसपी पर खरीद हो पाई है। किसानों का आरोप है कि खरीद केन्द्रों पर मूंग की क्वालिटी खराब होने की बात कहकर वापस लौटाया जा रहा है।

- खरीद केन्द्रों पर मूंग की क्वालिटी खराब होने की बात कहकर वापस लौटाया जा रहा है

वहीं खरीद एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि अभी बहुत कम किसान सरकार को मूंग बेचने के लिए खरीद केन्द्रों पर लेकर आ रहे हैं।

खूमराज पंवार ने अपनी आत्म कथा में अनछुए पहलु भी लिखे: राजेन्द्र जोशी

बीकानेर, (कासं)। सखा संगम बीकानेर के तत्वावधान में प्रख्यात समाजसेवी एवं राजनैतिक कार्यकर्ता खूमराज पंवार की आत्मकथा का लोकार्पण सोमवार को भैरू निवास में किया गया।

लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी थे। समारोह की अध्यक्षता सखा संगम के अध्यक्ष एन. डी. रंगा ने की तथा विशिष्ट अतिथि साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार रहे। प्रारंभ में शिक्षाविद भगवान दास पडिहार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए खूमराज पंवार के व्यक्तित्व-कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि राजेन्द्र जोशी ने कहा कि खूमराज पंवार का जीवन सदैव समाज के लोगों के बीच उनके कल्याण में व्यतीत हुआ है। और वह आज भी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखते है।

जोशी ने कहा कि खूमराज पंवार किसी परिचय के मोहताज नहीं है, वे राजनैतिक कार्यकर्ता के रूप में सदैव सिद्धांतों की राजनीति किया करते थे। उन्होंने अपनी आत्मकथा में उन सारी चीजों को भी सम्मिलित किया है जो अक्सर आत्मकथा लिखने वाले लोग छुपाए रखते हैं। किया करते तो उन्होंने कहा कि आत्मकथा लिखने में पंवार ने ईमानदारी का परिचय दिया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एन.डी. रंगा ने कहा कि खूमराज पंवार मित्रों के मित्र हैं और वे क्रीड़ांचल पत्रिका के सहयोगी रहते हुए दोस्ती निभाने में सदैव अग्रणी भूमिका में रहते थे। विशिष्ट अतिथि राजाराम स्वर्णकार ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ता, राजनैतिक कार्यकर्ता एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए आत्मकथा लिखने का महत्वपूर्ण कार्य खूमराज पंवार ने किया है जिसकी प्रशंसा होनी चाहिए।

इस अवसर पर खूमराज पंवार ने अपने जीवन के अनछुए पहलुओं को विस्तार से बताते हुए कहा कि उनका जीवन दोस्तों के कारण आनंदित हो गया और वही कथ्य मैंने आत्मकथा में लिखने का प्रयास किया है। कार्यक्रम का संचालन इंद्र नारायण छंगाणी ने किया।

प्रख्यात समाजसेवी एवं राजनैतिक कार्यकर्ता खूमराज पंवार की आत्मकथा का लोकार्पण वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने किया।

- आत्मकथा लिखने में खूमराज पंवार ने ईमानदारी का परिचय दिया, छिपाने वाले पहलु भी लिखे

श्री छठ पूजा समिति का दंगल, पहलवानों ने दिखाया दमखम

हनुमानगढ़, (कासं)। टाउन की मिथिला सेवा समिति की ओर से छठ पूजा महोत्सव की तैयारियां चरम पर है। इसके चलते नगर परिषद व मिथिला सेवा समिति द्वारा नहर की साफ-सफाई का कार्य किया गया।

रविवार को कोहला नहर पर सफाई व्यवस्था का जायजा समिति के सदस्यों के साथ नगर परिषद के अधिकारियों ने लिया। नहर के अंदर जेसीबी से सफाई करवाई गई। इस मौके पर अध्यक्ष बलदेवदास, सचिव अमित मिश्रा, कोषाध्यक्ष रामबाबू, सदस्य प्रमोद यादव, अशोक गौतम, दिलखुश मंडल, श्यामदास, कमलेश यादव, बहरू ठाकुर, संदीप महतो, शिवचंद यादव, श्याम, दीपक, अमर, अजय, देवकीनंदन चौधरी, मनोज आदि मौजूद थे।

हनुमानगढ़ छठ पूजा महोत्सव से पहले श्रीछठ पूजा समिति की ओर से नशा मुक्त हनुमानगढ़ के तहत जंक्शन में चुंगी नंबर 8 पर दंगल-2024 का आयोजन करवाया गया। समिति की ओर से लगातार चौथे साल करवाए गए दंगल का शुभारंभ विधायक गणेशराज बंसल, सभापति सुमित रणवा, पूर्व उपसभापति नगीना बाई, संरक्षक रामपाल जाटव, राकेशराय, नागेंद्र प्रताप सिंह, ओमप्रकाश, संयोजक गुरदेव सिंह, कुश्ती संघ जिलाध्यक्ष यादवेंद्र सिंह, बलराम, भूपेंद्र, टाउन समिति अध्यक्ष राजेश, जंक्शन समिति अध्यक्ष राजगीर व सरपंच बलदेव सिंह ने किया। दंगल में कई जगहों से आए पहलवानों ने अपना दमखम दिखाया। कुश्ती देखने के लिए महिला, पुरूषों, बच्चों और बुजुर्गों की भीड़ उमड़ पड़ी। दंगल में शामिल पहलवानों ने कई दाव दिखाकर दर्शकों का मन मोह लिया।

- नगर परिषद व मिथिला सेवा समिति द्वारा नहर की साफ-सफाई की गई

कुश्ती के दौरान मैदान तालियों की गडगड़ाहट से गूंजता रहा। कुश्ती में राजस्थान समेत हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, उत्तर प्रदेश से पहलवान आए। कुश्ती में अच्छा प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को पुरस्कृत भी किया गया। इस मौके पर विधायक ने युवाओं को नशे से दूर रहने की सीख दी। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी नशा छोड़ खेलों के प्रति रूझान करें। पार्षद नगीना बाई ने कहा कि युवा वर्ग नशे का त्याग कर खेलों में भाग लेवें।

उन्होंने कहा कि पहलवानी भारत की प्राचीन विधा है। सरपंच बलदेव सिंह ने कहा कि राजस्थान का नाम कई पहलवानों ने रोशन किया है। युवाओं को ऐसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। संरक्षक रामपाल जाटव ने कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है। नशे से दूर रहकर समाज को तरक्की की ओर ले जाया जा सकता है। आयोजकों ने बताया कि 5 नवम्बर से नहाय खाय के साथ चार दिवसीय छठ महोत्सव का शुभारंभ होगा। छह नवम्बर को खरना होगा। सात नवम्बर को जागरण व सायं कालीन अर्घ्य का कार्यक्रम होगा।

मैं उनके पहले टेस्ट को देखूं तो उन्होंने कुछ बेहतरीन कैच पकड़े थे। इससे माहौल तैयार हो गया। अगर आप इस तरह के कैच लेते हैं और आप बढ़त हासिल करते हैं। सीरीज में 1-0 से आगे रहते हैं तो ये बड़ी बात है। **-डेविड वार्नर**

आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, न्यूजीलैण्ड की जीत पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वसीम अकरम

अगर पाकिस्तान टीम स्पिन ट्रैक पर भारत के खिलाफ खेलती है तो वह जीत सकती है। ये बात उन्होंने ऑस्ट्रेलिया वर्सेस पाकिस्तान पहले वनडे के दौरान कमेंट्री करते हुए कही।भारत की हार पर चर्चा करते हुए कहा कि, मैं भारत और पाकिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज देखना चाहता हूं। ये बहुत बड़ी सीरीज होगी। ये खेल के लिए, क्रिकेट के दीवाने दो देशशों के लिए अच्छा होगा। वॉन ने आगे कहा कि पाकिस्तान भारत को टर्निंग ट्रैक पर हरा सकता है।, पाकिस्तान के पास अब स्पिनिंग ट्रैक पर भारत को टेस्ट में हराने का मौका है।

क्या आप जानते हैं ?... ढाका में बांग्लादेश के विरूद्ध भारत के सचिन तेंदुलकर ने अपना 34वां टैस्ट शतक लगा सुनील गावस्कर के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की।

शाह के बाद कौन होगा का नया सचिव?

नयी दिल्ली 04 नवंबर। जय शाह आईसीसी के चेयरमैन बन चुके हैं जिसके बाद वो 1 दिसंबर से अपना कार्यकाल संभालेंगे। अब तक जय शाह बीसीसीआई के सचिव के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन अब उनकी जिम्मेदारी बदल जाएगी। वहीं अब सवाल ये उठ रहा है कि उनके बाद बीसीसीआई का सचिव कौन होगा? एक रिपोर्ट के सामने आने से कहा जा रहा है कि, जय शाह के बाद बीसीसीआई सचिव बनाने की जिम्मेदारी दिवंगत नेता अरुण जेटली के बेटे अरुण जेटली को ये जिम्मेदारी मिल सकती है। दिल्ली एंव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट रोहन जेटली को जय शाह के बाद बीसीसीआई का सचिव बनाया जा सकता है। रोहन जेटली के अलावा गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिल पटेल का नाम भी सामने आ रहा है। हालांकि, रोहन जेटली इस रेस में पहले नंबर पर चल रहे हैं। रोहन जेटली इन दिनों दिल्ली एंव जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले भी रोहन जेटली के बीसीसीआई सचिव बनने की रिपोर्ट्स सामने आई थीं, जिसे उन्होंने पूरी तरह से खारिज कर दिया था। हालांकि, अभी इस मसले पर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। जय शाह के रिप्लेसमेंट को लेकर बोर्ड में किसी भी तरह की विशेष आम बैठक नहीं होगी। इससे पहले 29 सितंबर को हुई वार्षिक आम बैठक में भी जय शाह के रिप्लेसमेंट का एजेंडा शामिल नहीं था।

ऋद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफी के बाद लेंगे संन्यास

नई दिल्ली 04 नवंबर । भारत के लिए 40 टेस्ट खेल चुके बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा इस वर्ष रणजी ट्रॉफी के बाद संन्यास ले लेंगे। साहा ने एक सोशल मीडिया मंच पर यह जानकारी देते हुए लिखा, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह मेरा आखिरी सीजन होगा। संन्यास लेने से पहले रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए बंगाल का प्रतिनिधित्व करने का मौका पाकर मैं गौरवान्वित हूँ। आइए इस सीजन को यादगार बनाएँ। साहा इस समय बेंगलुरु में हैं और कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी चौथे राउंड के मैच की तैयारी कर रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि संन्यास के बाद वह कोचिंग में जा सकते हैं। 2014 में एमएस धोनी के संन्यास लेने के बाद साहा भारत के नियमित टेस्ट विकेटकीपर बने और दिसंबर 2021 में भारत के लिए आखिरी बार कोई टेस्ट मैच खेला। हालांकि ऋषभ पंत के ठीक होने के बाद भारतीय टीम उनसे आगे बढ़ गई।साहा के मेंटोरशिप में युवा अभिषेक पोरेल बंगाल के तीनों प्रारूपों के नियमित विकेटकीपर बनकर उभरे हैं और फिलहाल वह इंडिया ए की योजनाओं का भी हिस्सा हैं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए रिटेन भी किया है।

मोहम्मद शमी रणजी के 2 राउंड से बाहर हुए

नई दिल्ली, 04 नवम्बर। टीम इंडिया से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी को एक्शन में देखने के लिए फैंस को अभी और इंतजार करना होगा। शमी जो रणजी ट्रॉफी में नजर आने वाले थे वह अगले दो राउंड के मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बंगाल के लिए खेलने वाले ये तेज गेंदबाज के लिए बड़ा झटका है। 34 साल के शमी ने अपना पिछला मैच वनडे वर्ल्ड कप में खेला गया था। अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मैच के बाद से मैदान पर नजर नहीं आए हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए चुना नहीं गया था।

टीम इंडिया की हार के बाद बीसीसीआई एक्शन के मूड में

मुश्किल में फंस सकते हैं गौतम गंभीर

नई दिल्ली 04 नवंबर। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-3 से शर्मनाक हार झेलनी पडी। भारतीय टीम को पहली बार अपने घर पर तीन या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। 24 साल बाद टीम इंडिया का अपने घर पर टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ हुआ। इससे पहले उसे साउथ अफ्रीका ने साल 2000 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में सूपड़ा साफ कर दिया था। आने वाले समय में टीम सेलेक्शन से जुड़े मुद्दों पर उनकी बातों को तवज्जो मिलना मुश्किल दिख रहा है। गंभीर के कमान संभालने के ठीक बाद भारत ने 27 साल में पहली बार श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाई। फिर न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत का 3-0 से सूपड़ा साफ कर दिया। वहीं अब टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर अच्छी स्पिन गेंदबाजी के सामने बार-बार विफल रहा है।

गौतम गंभीर को वह सुविधा दी गई, जो रवि शास्त्री और राहुल द्रविड को नहीं थी। बीसीसीआई के रूल बुक के मुताबिक हेड कोच को चयन समिति की बैठक का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं होती है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए गंभीर की खातिर इस नियम को ताक पर रखा गया। बीसीसीआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि, दौरे की गंभीरता को देखते हुए हेड कोच को इसमें शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

हैदराबाद व उत्तराखंड के विरूद्ध रणजी मैच हेतु राजस्थान रणजी टीम घोषित

मेघालय के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम घोषित

जयपुर 4 नवम्बर। बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग ले रही राजस्थान सीनियर रणजी ट्रॉफी , अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम के आगामी मैचों हेतु राजस्थान सीनियर चयन समिति ने हैदराबाद व उत्तराखण्ड के विरुद रणजी मैच हेतु राजस्थान रणजी टीम व मिजोरम के विरूद मैच हेतु राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी का चयन किया।

राजस्थान सीनियर रणजी ट्रॉफी टीम में दीपक हुड्डा (कप्तान), दीपक चाहर (उपकप्तान), महिपाल लोमरोर, भारत शर्मा , अभिजीत तोमर, राम मोहन चौहान, कन्हैया लाल स्वामी, अजय सिंह कुकना, आराफात खान, अनिकेत चौधरी, जुबेर अली, राजेश बिश्नोई (जूनियर), शुभम गढ़वाल, साहिल दीवान, राजकुमार सैनी, राजवीर सिंह शामिल है।

वहीं मिजोरम के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर-23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम में करण लांबा , सुमित गोदारा, राज शर्मा, मुकुल चौधरी, जयंत ताम्बी, मोहित चांगरा, चेतन शर्मा, अशोक शर्मा , दीपेंद्र सिंह, राहुल गर्ग, देव यादव, साहिल भास्कर, हार्दिक गौर, रौनक गौर, पुखराज कुमार शामिल है।

राजस्थान अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी टीम का शिविर कल दिनांक 5 नवम्बर से आरसीए अकादमी पर आयोजित किया जायेगा।

क्या ऑस्ट्रेलिया को आज की टीम इंडिया उन्हीं के घर में हराने लायक है?

नई दिल्ली 04 नवंबर। न्यूजीलैंड से अपने घर में टीम इंडिया के 3-0 से हारने के बाद अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए समीकरण साफ हो गया है। भारत को ऑस्ट्रेलिया में 4 मैच जीतने होंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले जिस ड्रीम जीत की तलाश में रोहित ब्रिगेड थी, वह मुमकिन नहीं हो पाई। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवा दी है। अपने ही घर पर पहली बार तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-3 से क्लीन स्वीप होने के बाद टीम इंडिया के सितारे गर्दिश में हैं। इस हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा सवालों के घेरे में हैं। भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन की बड़ी वजह उसका टॉप ऑर्डर बना। विराट कोहली और रोहित शर्मा के बल्ले से रन नहीं निकले। बाकी बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी औसत रहा, जबकि कई मौकों पर भारतीय गेंदबाजों ने मोर्चा संभाला लेकिन शुरुआती मुकाबलों में उनका प्रदर्शन भी औसत ही रहा। भारत में होम एडवांटेज का लाभ दूसरी टीमों को अधिक मिलता है। टीम इंडिया घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने में एक बार फिर से नाकामयाब रही है। स्पिन की मददगार पिचों को बनवाना खुद के पैर पर ही कुल्हाड़ी मारने जैसा साबित हुआ है। ताजा सीरीज में भी अगर पिच का किसी टीम ने फायदा उठाया है, तो वह न्यूजीलैंड है। हालांकि, पिच और टॉस फैक्टर से परे न्यूजीलैंड ने दमदार प्रदर्शन किया है, इसमें भी कोई संदेह नही है।

यह हार इसलिए भी परेशान करने वाली है, क्योंकि इस सीरीज में भारत ने हर उस पैमाने पर चोट खाई है जो कभी उसकी ताकत हुआ करती थी। स्पिन फ्रेंडली पिच होने के बावजूद भारतीय स्पिनरों ने संघर्ष किया जबकि उसी पिच पर कीवी स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजों को खूब नचाया। हाल यह था कि स्पिन के खिलाफ अपनी आक्रामक शैली के लिए मशहूर विराट कोहली भी सरेंडर करते नजर आए।

ऑस्ट्रेलिया में जीत, सपने जैसा : न्यूजीलैंड के खिलाफ ये हार दिल तोड़ने वाली तो रही ही, साथ ही बेहद शर्मनाक भी है। भारतीय शेर मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 147 रनों के लक्ष्य का भी पीछा नहीं कर पाए और ये हाल तब है जब उन्हें आने वाले कुछ दिनों में ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना उनके घर पर करना है। जिस फॉर्म में इन दिनों टीम इंडिया है, उस हाल में खतरनाक ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ जीत की उम्मीद करना सपने देखने जैसा है।

चार साल तक पानी पिलाने के बाद मौके का पूरा फायदा उठाया विल यंग ने

मुंबई, 04 नवंबर। केन विलियमसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी की जगह भरना आसान नहीं होता लेकिन न्यूजीलैंड की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 3-0 से जीत में अहम भूमिका निभाने वाले विल यंग ने चार साल तक रिजर्व बल्लेबाज के रूप में मैदान पर पानी पहुंचाने के बाद मिले इस मौके को अपनी खुद की पहचान बनाने के अवसर के रूप में देखा जिसमें वह सफल रहे।

विलियमसन चोटिल होने के कारण तीनों टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए जिससे यंग को अंतिम एकादश में जगह बनाने का मौका मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज ने बेंगलुरु में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 48 रन बनाकर संकेत दे दिया था कि वह खुद को साबित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यंग ने न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक जीत के बाद पत्रकारों से कहा,"चार साल पहले पदार्पण करने के बाद मैं टीम से अंदर बाहर होता रहा। मैं वर्षों तक रिजर्व बल्लेबाज रहा इसलिए मैं मैदान पर पानी पहुंचाने की भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी की भावना को अच्छी तरह से समझता हूं।' ' उन्होंने कहा,"जब मुझे मौका मिला तो मैं अपनी तरह से खेलने को लेकर अधिक उत्साहित था तथा मैंने केन की जगह लेने का प्रयास नहीं किया। मैंने अपना नैसर्गिक खेल खेला। मैंने इसे केन की जगह लेने के बजाय खुद के लिए बड़े मौके के रूप में देखा।"

उन्होंने कहा कि भारत दौरे से पहले स्वदेश में अभ्यास सत्रों के दौरान विलियमसन ने खिलाड़ियों को भारतीय उपमहाद्वीप में खेलने को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी जिसका टीम को फायदा मिला। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्य से केन चोटिल होने के कारण टीम के साथ यहां नहीं आ पाया। वह बहुत अच्छा इंसान है जिससे आप पूछ सकते हैं कि मैच की इन परिस्थितियों के बारे में वह क्या सोचते हैं। हमने यहां आने से पहले तीन अभ्यास शिविर में भाग लिया था और वह इनमें मौजूद था।" यंग ने तीन टेस्ट मैच में 244 रन बनाए। उन्होंने तीसरे टेस्ट मैच में 71 और 51 रन की दो शानदार पारियां खेली जिससे न्यूजीलैंड श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

पैट कमिंस के सहारे ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को दो विकेट से हराया

मेलबर्न 04 नवंबर। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद जॉश इंग्लिस (49), स्टीव स्मिथ (44) और कप्तान पैट कमिंस (नाबाद 32) के सहारे ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में पाकिस्तान को 99 गेंदें शेष रहते दो विकेट से हरा दिया हैं।

204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में मैथ्यू शॉर्ट (एक) का विकेट गवां दिया। 28 के स्कोर पर दूसरे विकेट के रूप में जेक फ्रेजर मक्गर्क (16) रन बनाकर नसीम शाह का शिकार बने। इसके बाद स्टीव स्मिथ और जॉश इंग्लिस ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तेजी के साथ रन बटोरे। स्मिथ और इंग्लिस के बीच तीसरे विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी हुई। 17वें ओवर में हारिस रउफ ने स्टीव स्मिथ (44) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 20वें ओवर में शाहीन शाह अफरीदी ने जॉश इंग्लिस को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को चौथा झटका दिया। जॉश इंग्लिस ने 42 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (49) रनों की पारी खेली। मार्नस लाबुशेन (16), ऐरन हार्डी (10), ग्लेन मैक्सवेल (शून्य) और शॉन ऐबट (13) रन बनाकर आउट हुये। ऑस्ट्रेलिया के विकेट गिरते रहे लेकिन उसने रनों की रफ्तार कम नहीं होने दी। बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान पैट कमिंस एक छोर थामे रहे और उन्होंने टीम को जीत दिलाकर ही दम लिया। कमिंस ने 31 गेंदों में चार चौकों की मदद से (नाबाद 32) रनों की पारी खेली। मिचेल स्टार्क (दो) रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 33.3 ओवर में आठ विकेट पर 204 रन बनाकर दो विकेट से मुकाबला जीत लिया।

पाकिस्तान की ओर हारिस रउफ ने तीन विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी को दो विकेट मिले। मोहम्मद हसनैन और नसीम शाह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले मिचेल स्टार्क (तीन विकेट) और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 203 के स्कोर पर समेट दिया था।

टेबल टेनिस टूर्नामेंट: हरमीत देसाई ने जीता पुरुष एकल का खिताब

कराकास (वेनेजुएला) 04 नवंबर। भारत के हरमीत देसाई ने डब्ल्यूटीटी फीडर कारकास 2024 टेबल टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष एकल खिताब भी जीता। इससे पहले देसाई ने और कृत्विका रॉय के साथ मिलकर मिश्रित युगल का भी खिताब जीता था। रविवार को खेले गये मुकाबले में हरमीत देसाई ने फाइनल में फ्रांस के जो सेफ्राइड को 3-0 (11-7, 11-8, 11-6) से हराकर पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया।

पहले दौर में बाई पाने वाले देसाई ने दूसरे दौर में वेनेजुएला के जीसस एलेजांद्रो टोवर गिराल्डो को हराया और फिर प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के ली एनसी को शिकस्त दी। उन्होंने क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में क्रमश: चीन के निंग जियानकुन और पुर्तगाल के जोआओ मोंटेरो पर 3-2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले दिन में देसाई और रॉय ने क्यूबा के जॉर्ज कैंपोस और डेनिएला फोंसेका कैराजाना को एक करीबी मुकाबले में 3-2 (8-11, 11-9, 11-8, 9-11, 11-5) से हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता था।

महिला क्रिकेट के लिए आईसीसी ने कर दिया बड़ा ऐलान, 4 वर्ल्ड कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी का होगा आयोजन

नयी दिल्ली 04 नवंबर। इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद यानी आईसीसी ने 2025-2029 तक के लिए महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए एक शेड्यूल जारी किया है। जिसे फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम नाम दिया गया है। ये पहल आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा होगी, जिसके तहत अगले 4 साल के भीतर महिला क्रिकेटरों के बीच 44 एकदिवसीय सीरीज खेलनी जाएंगी। लेकिन इस पहल की सबसे दिलचस्प बात ये है कि 2025-2029 तक प्रत्येक साल महिला क्रिकेटरों के लिए एक आईसीसी टूर्नामेंट करवाया जाएगा।ये प्रोग्राम 2029 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप को नजर में रखते हुए सेट किया गया है। इमें 11 टीम भाग लेंगी। जिम्बाब्वे इस टूर्नामेंट में डेब्यू कर रहा होगा। जो महिला क्रिकेट की वैश्विक स्तर पर वृद्धि में योगदान देगा। अगले चार साल के भीतर हर टीम अपने घर पर चार और विदेशी सरजमीं पर भी चार वनडे सीरीज खेलेगी। इस तरह कुल 44 सीरीज खेली जाएंगी। प्रत्येक सीरीज 3 मैचों की होगी, यानी सभी टीमों के बीच कुल 132 मुकाबले खेले जाएंगे।

अगले चार साल के भीतर महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा से ज्यादा मैच खेले जा सकें। बताते चलें कि ये प्रोग्राम 2025 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के बाद शुरू होगा। 2025-2029 तक महिला क्रिकेट टीमों के बीच 400 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे।

2025 में महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप होगा जिसकी मेजबानी भारत करने वाला है। 2026 में महिला टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। अब तक सिर्फ पुरुष क्रिकेट में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होता आया था, लेकिन 2027 में पहली बार महिला क्रिकेट टीमों के बीच भी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की रेस लगेगी। वहीं 2028 में फिर से टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। जिसे अब तक ऑस्ट्रेलिया 6 बार जीत चुका है।

अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता, राजस्थान की देशना जैन का धमाका

जयपुर, 4 नवंबर । राजस्थान की देशना जैन ने क्वालिफाईन्ड राउन्ड में कर्नाटक की गौरी सतीश को सीधे गेमों में हराकर सोमवार से शुरू हुई अन्डर-15 व अन्डर-17 बैडमिन्टन प्रतियोगिता में उलटफेयर किया। गौरी सतीश को क्वालिफाईंग राउण्ड के लिये 14वीं वरीयता मिली थी। देशना जैन ने 15-12, 15-13 से जीत हासिल की। यहां सवाई मानसिंह इण्डोर स्टेडियम में चल रही प्रतियोगिता में राजस्थान के 38 खिलाड़ियों ने क्वालिफाइंग राउण्ड के दुसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

अन्डर-15 लड़कों के वर्ग में राजस्थान के रमनीक सिंह गिल ने दिल्ली के अक्षित प्रताप सिंह रावत को 15-9, 15-7 से, हर्ष कन्डपाल ने गुजरात के तीर्थ चन्द्रा को 15-6, 15-13 से पराजित किया। इसी आयु वर्ग में राजस्थान के लोकेश गुर्जर को दिल्ली के शौर्य सिंह यादव के खिलाफ वॉक ऑवर मिला। एक अन्य मुकाबले में राजस्थान के वयम लाम्बा ने कर्नाटक के देवयश लाल के खिलाफ पहला गेम 15-4 से जीता। देवयश लाल ने दुसरा गेम 12-6 से पिछड़ने के बाद मुकाबले छोड़ दिया। राजस्थान के नेतिक यादव ने आन्ध्र प्रदेश के ईश्वर प्रणव साई को 15-10, 15-10 से शिकस्त दी। राजस्थान पुन्या वलीरामानी को शौर्य मेहता के खिलाफ वॉक ओवर मिला।

राजस्थान के हर्ष स्वामी ने उत्तर प्रदेश के ओजस दीप सिंह को 15-4, 15-3 से, श्रीयांश चौधरी ने प्रभु ध्यानी को 15-13, 17-15 से शिकस्त दी। इसी आयु वर्ग की लड़कियों के वर्ग में सोनाक्षी चौहान को असम गीत इतबराह से तथा लड़को के वर्ग में दक्ष भारद्वाज को महाराष्ट्र के रोहन से वॉक ओवर मिला। आरूष सिंघल ने हरियाणा के विशाल प्रशान्त चौधरी को 15-19, 15-8 से, मानस परवाल ने तमिलनाडु अशज ए मुहम्मद को 12-6, 15-2 से शिकस्त दी, लड़कियों के वर्ग में रक्षन्धना बिष्ट ने दिल्ली मेघना को 15-10, 11-15, 15-13 से, जोशिका प्रजापति ने दिल्ली की नव्या रावत को. 15-7, 14-16, 15-11 से पराजित किया। लड़कों के वर्ग में हर्षवर्धन मान्झु ने हरियाणा के रौनक भारद्वाज को 15-9, 15-8 से, पार्थ माहिया ने हरियाणा के आदर्श को 15-10, 13-15, 15-9 से, तपेश्वर पुनिया ने हरियाणा के नवनीत यादव को 15-11, 15-6 से, रूद्राक्ष मिड्ढा ने दिल्ली के नवराज को 15-13, 15-11 से, कान्हा गुर्जर ने वेदान्त जोशी को 7-15, 15-8, 15-8 से, मानस गहलोत ने राजस्थान के ही कनिष्क को 15-3, 15-4 से, आर्यन सिरवी ने वंश शुद को 15-12, 15-9 से, उत्कर्ष सिंह राठौड ने दिल्ली के याहव यादव को 15-7, 15-12 से शिकस्त दी।

लड़कियों के अन्डर-17 आयु वर्ग में राजस्थान की अदविता शर्मा ने आन्ध्र प्रदेश की सुहान को 15-13, 15-6 से तथा लड़कों के वर्ग में रोहित चौधरी ने गर्वित भट्ट को 15-10, 15-7 से, वेदान्त जोशी ने जोशुआ आनन्द को 15-3, 15-6 से शिकस्त दी। मंगलवार को 500 मुकाबले सुबह 9 बजे से खेले जायेंगे।

जोस बटलर ने राजस्थान रॉयल्स को कहा अलविदा

नयी दिल्ली 04 नवंबर। राजस्थान रॉयल्स ने सलामी बल्लेबाज जोस बटलर को रिटेन नहीं किया है। जिसके बाद बटलर ने रविवार को सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखा। बटलर ने आईपीएल में सालों से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते आ रहे हैं। शायद अब ऐसा लग रहा है कि ऑक्शन में भी हो सकता है टीम उनपर दांव न लगाए। इसी कारण उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए फेयरवेल पोस्ट लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइज़िंग राजस्थान की तैयारियों के लिये उच्च अधिकारियों की बैठक ली व निर्देश दिये।

'राइज़िंग राजस्थान समिट में प्रदेश की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर साख बढ़ेगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि समिट की गतिविधियों से राजस्थान की लोक संस्कृति को जोड़ा जायेगा

- मुख्यमंत्री ने सोमवार को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमैंट समिट की तैयारियों की समीक्षा की।
- उन्होंने निर्देश दिये कि इस समिट में प्रवासी राजस्थानियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में आमंत्रित करें।

जयपुर, 4 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि "राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट" से प्रदेश की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि समिट के दौरान आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित, अन्य गतिविधियों में राजस्थान की लोक संस्कृति एवं लोक कला से संबंधित थीम को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जाए, जिससे इस ग्लोबल समिट में भाग लेने वाले देश-विदेश के निवेशकों को भी राजस्थान की समृद्ध एवं लुभावनी लोक संस्कृति की झलक देखने को मिले।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि 9 से 11 दिसम्बर तक आयोजित होने वाली इस समिट की तैयारियों को अन्तिम रूप देते हुए, समिट का सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए तथा ज्यादा से ज्यादा प्रवासी राजस्थानियों को समिट से जोड़ा जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस समिट के प्रवासी राजस्थान कॉन्क्लेव में ज्यादा से ज्यादा प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित किया जाए तथा कार्यक्रम की थीम को राजस्थान की संस्कृति से भी जोड़ा जाए और राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में निवेश को लेकर किए जा रहे प्रयासों से रूबरू करवाया जाए। साथ ही, उन्होंने प्रदर्शनी में एक जिला-एक उत्पाद, राजीविका एवं कंट्री पार्टनर के पवेलियन लगाने के संबंध में जानकारी ली एवं इस संबंध में उचित दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि समिट के दौरान पर्यटन, शिक्षा, वित्त सहित विभिन्न क्षेत्रों एवं विभिन्न देशों के निवेश से संबंधित सेक्टरल एवं कंट्री सैशन्स आयोजित किए जाएंगे। मु. मंत्री ने कहा, इन सैशन्स में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की पैनल वार्ता के लिए उचित समय निर्धारित किया जाए एवं सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने समिट के उद्घाटन सत्र, प्रदर्शनी एवं एम.एस.एम.ई. कॉन्क्लेव के आयोजन की भी समीक्षा की।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह सहित, वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

यूपी, पंजाब व केरल के उपचुनाव अब 20 को

नयी दिल्ली, 04 नवंबर। चुनाव आयोग ने केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में 14 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव 13 की जगह 20 नवंबर को कराने की सोमवार को घोषणा की।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें केरल की पलक्कड़, पंजाब की डेरा बाबानानक, चब्बेवाल (सुरक्षित), गिद्दरबाहा, बरनाला और उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुण्डरकी, गाजियाबाद, खैर (सुरक्षित), करहल, सीसा मऊ, फूलपुर, कटिहारी, मझवां सीट शामिल हैं।

आयोग ने कहा है कि उसने विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के अनुरोध पर यह फैसला किया है।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार,

- राजनीतिक दलों के अनुरोध पर चुनाव आयोग ने तीन राज्यों के 14 उपचुनावों की तारीख बढ़ाई।

इन दलों ने 13 नवंबर को सम्बंधित क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों की व्यस्तता के आधार पर चुनाव तिथि बदलने का अनुरोध किया था। इन सीटों के उपचुनाव की मतगणना 20 नवंबर को कराई जायेगी और चुनाव प्रक्रिया 25 नवंबर तक संपन्न करा ली जायेगी।

आयोग ने कहा है कि इन सीटों पर चुनाव कार्यक्रम की अन्य तिथियों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि आयोग ने 15 अक्टूबर को 15 राज्यों में 48 विधानसभा और दो लोक सभा सीटों के लिये उपचुनाव कराने की घोषणा की थी।

'यह चुनाव विचारधारा का है, भाजपा ने लोगों के साथ विश्वासघात किया'

सचिन पायलट के एक दिन में दौसा सीट पर 17 पब्लिक मीटिंग और कार्यालय उद्घाटन

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दौसा विधानसभा सीट के उपचुनाव में दिनभर सभायें कीं।

दौसा, 4 नवंबर । कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा, यह चुनाव विचारधारा का है, पार्टियों का है, भाजपा ने 10 साल से केन्द्र में लोगों के साथ विश्वासघात किया है, जिसे सभी देख रहे हैं। साल भर से राजस्थान में भी भाजपा की सरकार है, लेकिन इस दौरान जन कल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया है। इसलिए जनता जवाब मांगेगी, और जनता को जवाब देने का अधिकार मतदान के माध्यम से मिलता है, तो जनता जवाब दे देगी।

सोमवार को कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा के चुनावी कार्यालय के उदघाटन के बाद पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए, पायलट ने कहा कि भाजपा सभी जाति के मंत्रियों को गली-गली में घुमाएगी, लेकिन आप बहकावे में मत आना। भाजपा चाहे कितने ही तंत्र लगा ले, और कितनी ही ताकत लगा ले, और चाहे उसके पूरे संत्री और मंत्री दौसा में डेरा जमाए रहें, लेकिन पूरी सातों विधानसभाओं पर कांग्रेस पार्टी ही चुनाव जीतेगी।

पायलट ने गुर्जर समाज के स्नेह मिलन समारोह में काबीना मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा द्वारा दिये गये बयानों को लेकर कहा, मैं किसी के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी करता ही नहीं हूँ। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि ये चुनाव किसी व्यक्ति का चुनाव नहीं है, ये किसी समाज का चुनाव नहीं है। यह चुनाव दो दलों का है, दो विचारधाराओं का है, और इस चुनाव में काम के इतिहास के दम पर, कि दौसा के लिए किसने क्या किया है, लोग तुलना करेंगे कि किसके राज में ज्यादा काम हुआ। उन्होंने कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में हर वर्ग परेशान है, कानून व्यवस्था बदहाल है। भाजपा पहले गाय का मुद्दा लेकर आई, अब धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए कानून की बात कर रही है। लेकिन राम मंदिर के मुद्दे का क्या हुआ, यह पूरा देश जानता है। ये केवल चुनावी मुद्दे हैं, असल मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है। पायलट ने कहा कि दौसा के गांव-गलियों से उनका बहुत पुराना नाता रहा है। दिली रिश्ता है, और यह रिश्ता बहुत मजबूत है।

- उन्होंने कहा, दौसा के लोग तुलना करेंगे कि दौसा के लिये किसने क्या किया। इस सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था बदहाल है।

उन्होंने कहा, यह चुनाव सरकार के 10 महीने के कामकाज की अग्नि परीक्षा है, जनता हिसाब माँगेगी । उन्होंने कहा कि राजस्थान उपचुनाव में जनता सरकार को जवाब देगी। राजस्थान में इस बार कांग्रेस ने किसी दल के साथ गठबंधन नहीं किया है, इस मुद्दे पर पायलट ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का मनोबल बहुत ऊँचा है और चुनाव परिणाम हमारे हक में होंगे।

हरियाणा के बाद, झारखंड और महाराष्ट्र के चुनावों पर सचिन पायलट ने कहा, महाराष्ट्र में हम गठबंधन की सरकार बनाने जा रहे हैं, झारखंड में भी परिणाम आशा-अनुरूप होंगे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने आपस में लोगों को लड़ाया है, उस इतिहास का आकलन कर वोट करना है। जातिगत आधार पर समर्थन मांगने वालों को, जाति-धर्म की राजनीति करने वालों को, भाजपा को, सबक सिखाना है। पूरे देश और प्रदेश की निगाहें दौसा के चुनाव पर हैं।

'मेडिकल कॉलेज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किए गए और यह प्रक्रिया भी महज तीन घंटे में पूरी कर ली गई, जिसके चलते याचिकाकर्ता स्ट्रे राउंड में शामिल नहीं हो सके। इस कारण उन्हें सीट आवंटन से वंचित होना पड़ा।

ज्ञातव्य है कि गत 31 अक्टूबर को स्ट्रे राउंड के तहत मेडिकल कॉलेजों में एम.बी.बी.एस. पाठ्यक्रम के लिए सीट आवंटित की गईं, जबकि राउंड एक से तीन तक काउन्सलिंग में सीट आवंटन के बाद दस्तावेज सत्यापित किए गए। याचिका में आरोप लगाया गया कि तीन घंटे के दस्तावेज सत्यापन में बिना कारण बताए कई छात्रों के दस्तावेज निरस्त कर दिए और कई छात्र दस्तावेज सत्यापन से पहले कॉलेज आवंटित होने का इंतजार ही करते रह गए, जिसके चलते कम रैंक वालों को सीट आवंटित हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन पुलों की मॉनिटरिंग केन्द्रीय सड़क-परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मानकों के अनुसार की जाये। इस मांग का उद्देश्य भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा आलोचना का केन्द्र बने बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा तथा सुदीर्घ आयु सुनिश्चित करना है।

महाराष्ट्र चुनावों के लिए रोचक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी है कि कुछ पार्टियों ने एक ही सीट से दो प्रत्याशियों को नामांकन पत्र दिए हैं और यह भी कि, अपनी पार्टी के टिकट से वंचित रहने के बाद कई बागी प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं।

प्राप्त खबरों के अनुसार, महायुति के लगभग 36 और एन.वी.ए. के 26 प्रत्यासी बागी हो गए हैं।

प्रत्याशियों ने एक दूसरे के खिलाफ नामांकन भरा है तथा कई सीटों पर दोस्ताना मुकाबले की स्थिति पैदा कर दी है। एम.वी.ए. में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यू.बी.टी.) तथा शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एस.पी.) शामिल हैं तथा महायुति में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना तथा उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. शामिल हैं।

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस में 87 दिन बाद आरोप तय

मुख्य आरोपी संजय रॉय ने कहा कि ममता सरकार मुझे फंसा रही है

- 11 नवम्बर से मुकदमे की रोज सुनवाई होगी। मुख्य आरोपी ने कैमरे के सामने कहा कि, उसने डॉक्टर के साथ न रेप किया और न हत्या की।

कोलकाता, 04 नवंबर। पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने कोलकाता के आर.जी. कर कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी। सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है। आरोपी संजय रॉय ने कैमरे के सामने कहा कि वह निर्दोष है और उसने डॉक्टर के साथ ना रेप किया है और ना ही उसकी हत्या की है। वह कैमरे के सामने गिड़गिड़ाता दिखा और कहा कि वह निर्दोष है, उसे जान बूझकर इस केस में फंसाया गया है। बता दें कि महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार-हत्या के 87 दिन बाद चार्जशीट की प्रक्रिया शुरू हुई है। संजय रॉय ने कहा कि मैंने बलात्कार और हत्या नहीं की है,मुझे अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया गसर और सीधा आरोप मुझपर लगा दिया गया। मेरी बात किसी ने नहीं सुनी। आरोप लगने के बाद भी मैं इतने समय से चुप हूं, मुझे डराया जा जा रहा है, ये कह कर कि आप कुछ नहीं कहेंगे! मैं पूरी तरह से निर्दोष हूं, मुझे फंसाया गया है। महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के आरोपी संजय रॉय को सोमवार को सियालदह के जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया। संजय रॉय सी.बी.आई. की चार्जशीट में इस रेप और मर्डर केस का एकमात्र आरोपी है ।जज के बंद चैंबर में उसके खिलाफ चार्ज बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। आर जी कर मेडिकल कॉलेज में घटना के 87 दिन बाद चार्ज गठन प्रक्रिया शुरू हुई है। जूनियर डॉक्टर त्रिनेश मंडल ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि, सीबीआई और कोर्ट देखेगी कि संजय रॉय दोषी हैं या नहीं,लेकिन अगर इसके पीछे कोई बड़ा है तो उन्हें जांच के दायरे में लाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने बब्बर खालसा सदस्य को अंतरिम राहत नहीं दी

नयी दिल्ली, 04 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को, पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य की, करीब 29 साल पहले हुई हत्या के मामले में मौत की सजा पाए प्रतिबंधित बब्बर खालसा सदस्य, 57 वर्षीय राजोआना को अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया।

न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने करीब तीन दशकों से जेल में बंद राजोआना को राहत देने से मना कर दिया तथा इस मामले में पंजाब सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए और दो सप्ताह का समय दिया।

राजोआना ने अपनी दया याचिका पर फैसला होने में अत्यधिक देरी के कारण अपनी सजा कम करने की शीर्ष अदालत से गुहार लगाई की थी।

शीर्ष अदालत के समक्ष राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि यह चौंकाने वाला मामला है, क्योंकि याचिकाकर्ता 29 साल से हिरासत में है।

तमिलनाडु और कर्नाटक के बाद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की याचिका पर अंग्रेजी में ही जवाब दिया जाए।

हाई कोर्ट ने कहा था कि जिस भाषा में राज्य सरकार ने केन्द्र को आवेदन भेजा है, केन्द्र उसी भाषा में जवाब दे।

मद्रास हाई कोर्ट ने यह निर्देश मदुरै के सांसद एस. व्यंकटेश की याचिका पर दिए थे। व्यंकटेश ने याचिका में लिखा था कि, तमिलनाडु ने ग्रुप बी और ग्रुप सी के 780 रिक्त पदों को भरने के लिए होने वाली लिखित परीक्षा के लिए पांडिचेरी में सैंटर नहीं बनाया था। इसलिए मैंने केन्द्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा था पांडिचेरी में एक सैंटर तो बनाया जाए। केन्द्रीय गृह मंत्री ने 9 नवम्बर को हिंदी भाषा में जवाब भेजा, मैं समझ नहीं पाया कि वे क्या कहना चाहते हैं।

बैंच ने कहा कि हिंदी में जवाब देना कानून का उल्लंघन है। यह ऑफिशियल लैंगवेज एक्ट, 1963 के प्रावधानों का उल्लंघन है।"

इसके आगे कहा गया है कि तमिलनाडु सरकार, वहां के सांसद जनता को पत्र हिंदी में नहीं भेजा जाना चाहिए। केन्द्र सरकार को सिर्फ अंग्रेजी में ही पत्र भेजना चाहिए तथा नियम नहीं मानने वाले अफसरों पर कार्यवाही की जाए।

अल्मोड़ा में बस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषणा की गई है। मृतकों में दिनेश निवासी भैरंग खाल, चारू देवी निवासी रामनगर, मनोज रावत निवासी रामनगर, दीपू निवासी बरात, पौड़ी गढ़ वाल, गोपी निवासी बरात, पौड़ी गढ़ वाल, आदित्य राम निवासी सुंडोला, पौड़ी, सोनी निवासी दिगोली, धूमाकोट, दिलबर सिंह निवासी बिरखेत, पौड़ी, प्रवीण नेगी निवासी बोहरा, पौड़ी, मानवी ध्यानी निवासी बरात, पौड़ी, प्रवीण दत्त निवासी खेतूबाखाल, पौड़ी, नरीज ध्यानी निवासी रूई डाली, पौड़ी, धनपाल निवासी परखोली,पौड़ी, आदित्य रावत निवासी डोबा पौड़ी, शाका देवी निवासी उड्डी मल्ला, पौड़ी, दर्शन लाल निवासी मझेड़ा, अल्मोड़ा, रवि भारद्वाज, निवासी जामणी, सल्ट, अल्मोड़ा, मीनाक्षी निवासी कैनाथ, पौड़ी, सलोनी निवासी कैनाथ मल्ला, पौड़ी, रवीन्द्र सिंह निवासी आम पोखरा,रामनगर, रश्मि रावत निवासी धूमाकोट, पौड़ी गढ़ वाल, दयावंती पांथरी, निवासी धूमाकोट, शुभम निवासी धुमाकोट, पौड़ी, बनवारी लाल निवासी रणथ मल्ला, सल्ट अल्मोड़ा, नीरज ध्यानी निवासी रूडौलीएवं दो अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। इनकी मौके पर ही मौत हो गयी थी।

पोस्टमार्टम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की उम्र 14 वर्ष थी, उसको बाधिन लाडली टी- 8 ने जन्म दिया था। इस बारे में सी. सी. एफ. अनूप के. आर. ने बताया कि मृत टाइगर टी -86 के शरीर पर दो तरह की चोटें सामने आई हैं । चेहरे पर धारदार हथियार से वार किए गए, जिससे सिर की हड्डियां फैक्चर हो गईं और पीछे की हड्डियां भी टूट गईं।

एकल पट्टा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखने वाले अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने बताया कि गत अप्रैल माह में पेश शपथ पत्र के दौरान उनसे सलाह नहीं ली गई थी। ए.सी.बी. ने तीन क्लोज़र रिपोर्ट अदालत में पेश की थीं, वे धारीवाल सहित अन्य अधिकारियों से प्रभावित थीं। इन रिपोर्ट में सभी तथ्यों को शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में ए.सी.बी. कोर्ट ने दो क्लोज़र रिपोर्ट को खारिज कर दिया था और तीसरी पर कोई निर्णय नहीं हुआ था। इस दौरान मामला हाईकोर्ट चला गया। हाईकोर्ट ने गत जनवरी माह में पूर्व आई.ए.एस. जी.एस. संधू, निष्काम दिवाकर और औंकारमल सैनी के खिलाफ मुकदमा वापस लेने को सही माना और धारीवाल के खिलाफ प्रकरण खारिज कर दिया। ऐसे में हाईकोर्ट के आदेश को रद्द कर प्रकरण को फिर से ट्रायल कोर्ट भेजना चाहिए। हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ, आर.टी.आई. कार्यकर्ता अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में एस.एल.पी. दायर की थी, जिसमें कहा था कि शिकायतकर्ता से राजीनामे के आधार पर केस को रद्द नहीं किया जा सकता।

कैनडा में हिंदू मंदिर पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे-मोदी

नई दिल्ली, 04 नवंबर। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कैनडा के हिंदू मंदिरों पर हुए हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने हमलों की निंदा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर लिखा है, मैं कैनडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं।

हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं करेंगे। हम कैनडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को बनाए रखने की उम्मीद करते हैं।

बता दें कि मोदी की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब लगातार दूसरे दिन खालिस्तान समर्थकों ने कैनडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहां मंदिर में मौजूद हिंदुओं को घायल कर दिया।

अनुच्छेद 370 निरस्त करने के खिलाफ प्रस्ताव पर विधानसभा में हंगामा

जम्मू कश्मीर विधानसभा के पहले दिन पी.डी.पी. विधायक ने प्रस्ताव रखा, भाजपा ने कड़ा विरोध जताया

- जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सदस्य निर्णय नहीं ले सकता, इसका कोई महत्व नहीं।
- मुख्यमंत्री के जवाब का पी.डी.पी. के तीन सदस्यों ने विरोध किया।

श्रीनगर, 04 नवंबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को उस समय हंगामा हो गया, जब पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) के विधायक वहीद पर्रा ने केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के विरोध में प्रस्ताव पेश किया। गौरतलब है कि, अगस्त 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था, जिससे जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हो गया था और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में आज से शुरू हुए प्रथम सत्र के पहले दिन सात बार के विधायक और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता अब्दुल रहीम राथर को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया।

पी.डी.पी. विधायक वहीद पर्रा ने कहा कि उन्होंने 2019 में संसद द्वारा विशेष दर्जा और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया किया। उन्होंने प्रस्ताव भी पढ़ा । विधायक पर्रा के इस कदम से सदन में सभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों की तीखी प्रतिक्रिया सामने आयी। भाजपा विधायकों ने इसका कड़ा विरोध करते हुए कहा कि यह नियमों का उल्लंघन है।

विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा नेताओं से कहा कि, वे मुद्दे को उन पर छोड़ दें क्योंकि उन्होंने अभी तक विधायक द्वारा भेजे गए दस्तावेज को नहीं देखा है। लेकिन, सदस्यों ने सदन में हंगामा किया, जबकि अध्यक्ष ने सदन में स्थिति को सामान्य बनाने का भरसक प्रयास किया। जब हंगामा हो रहा था, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि प्रस्ताव का उद्देश्य केवल सुर्खियां बटोरना नहीं था। अब्दुल्ला ने कहा, मुझे पता था कि कुछ सदस्य प्रस्ताव पेश करेंगे। हमें उम्मीद नहीं थी कि सत्र के पहले दिन ऐसा होगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि, सदस्य निर्णय नहीं ले सकता, इसका कोई महत्व नहीं। उन्होंने कहा कि इस सत्र में क्या होगा, यह सत्ता पक्ष तय करेगा। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्य केवल कैमरों के सामने सुर्खियों में रहना चाहते हैं, अगर वे गंभीर होते, तो वे हमसे चर्चा करते और तय करते कि सदन की आवाज़ क्या होनी चाहिए।

'हमें मजबूरन जे.पी.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, उन्होंने कहा कि इसे किसी "वेन्टीलेटिंग चैम्बर" मात्र के रूप में नहीं लिया जाना चाहिये, जिसे प्रस्तावित विधेयक को, आवश्यक प्रक्रिया की अनदेखी करते हुए, सरकार की इच्छा के अनुरूप पास करने के लिये बनाया गया है।

विपक्षी सदस्यों द्वारा प्राय: प्रस्तुत विरोधों के कारण कमेटी की कार्यवाही बाधित होती है तथा भाजपा सदस्यों का आरोप है कि विपक्षी सदस्य जानबूझ कर कमेटी के काम को बाधित करने की कोशिश करते हैं।

पाल ने विपक्षी सांसदों के इस आरोप को खारिज किया है कि वे विपक्षी सदस्यों को अपने विचार नहीं प्रकट करने दे रहे। उन्होंने जोर देते हुए कहाकि उन्होंने सुनिश्चित किया हुआ है कि हर व्यक्ति की बात सुनी जायें।

पाल, जो पहले कांग्रेस सांसद थे, विवाद पैदा करने के लिए जाने जाते हैं। उनके नजदीकी सूत्रों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री को खुश करने के लिए यह सब कर रहे हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री बनाये जाने की उनकी इच्छा की उपेक्षा कर दी है।

वे उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे तथा 2014 तक उत्तर प्रदेश की डोमरिया गंज सीट से कांग्रेस सांसद थे। 2014 में, वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गये थे तथा उसके बाद लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। वे एक दिन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं तथा "वन डे वन्डर" के नाम से प्रसिद्ध हैं।

उनकी वरिष्ठता के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी उनकी अनदेखी करते रहे हैं तथा इस समय उनके पास भाजपा हाईकमान को प्रसन्न करने का सुअवसर है। सूत्रों का कहना है कि वे इस भूमिका को प्रशंसनीय रूप में निभा रहे हैं।

'पटाखों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर रोक लगाने का आदेश दिया था। यह आदेश एक जनवरी 2025 तक लागू रहेगा। सिर्फ ग्रीन पटाखे ही बेचने व इस्तेमाल करने की अनुमति रहेगी। दीवाली के दिन शाम 8 बजे से रात दस बजे तक पटाखे चलाने की छूट दी गई थी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908